http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 65

प्रयागराज गुरुवार 21 नवम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रुपया

मीरापुर में मतदान के बीच हुआ हंगामा

● पुलिस पर पथराव, भारी पुलिस फोर्स तैनात

मीरापुर,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर की मीरापुर सीट पर सुबह सात बजे से मतदान शुरू है। मतदान के बीच यहां पर हंगामा हो गया। इस दौरान पुलध्सि पर पथराव कध्यिा गया है। समाजवादी पार्टी ने मीरापुर विधानसभा में पुलध्सि पर मतदाताओं से अभद्रता करने, वोट डालने से रोके जाने का आरोप लगाया है। बता दें कि काकरोली में बस स्टैंड के पास पुलिस टीम पर छतों से पथराव किया गया। इससे पूर्व किसान इंटर कॉलेज मैं मतदान को पहुंचे लोगों का आरोप था कि उन्हें मतदान से रोका गया। आधार कार्ड समेत अन्य दस्तावेज होने के बावजूद वोट डालने नहीं दिया गया। आक्रोशित लोगों ने बस स्टैंड पर भी इसकी चर्चा की, जिस पर लोगों ने आक्रोश जताया। इसके कुछ देर बाद पुलिस फोर्स बस स्टैंड के समीप से गुजरी तो पथराव किया गया। जिस क्षेत्र से पथराव हुआ है वह मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र है। पथराव में सिपाही विक्रांत घायल हुए हैं। उनके हाथ में चोट लगी है। वहीं थाना प्रभारी राजीव शर्मा और कांस्टेबल शैलेंद्र भाटी को भी मामूली चोट लगी है। 9 सीटों पर हो रहे मतदान बता दें कि उत्तर प्रदेश में 9 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हो गया है। आज यानी 20 नवंबर को अंबेडकरनगर में कटेहरी, मैनपुरी में करहल, मुजफ्फरनगर में मीरापुर, गाजियाबाद, मिर्जापुर में मझवां, कानपुर नगर में सीसामऊ, अलीगढ़ में खैर, प्रयागराज में फूलपुर और मुरादाबाद में कुंदरकी सीट के लिए वोटिंग हो रही है। इन सभी सीटों पर कुल 90 उम्मीदवार मैदान में हैं। सबसे ज्यादा 14 उम्मीदवार गाजियाबाद विधानसभा क्षेत्र से मैदान में हैं। वहीं, सबसे कम पांच–पांच उम्मीदवार खैर (सुरक्षित) और सीसामऊ सीट पर हैं। 34 लाख से अधिक वोटर अपने प्रतिनिधि का चुनाव करेंगे, इनकी किस्मत का फैसला करेंगे। 23 नवंबर को वोटों की गिनती की जाएगी।अखिलेश यादव ने पोस्ट किया। कि उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा मतदातों को डराने का खौफ जारी है ताकि वह कानपुर के चमनगंज क्षेत्र में अपने मत का प्रयोग किसी के हक में न कर सकें। माननीय सर्वोच्च न्यायालय और निर्वाचन आयोग से अपील है कि वीडियो साक्ष्यों के आधार पर तत्काल संज्ञान लेते हुए दंडात्मक कार्रवाई करें।

9 सीटों पर वोटिंग के बीच अयोध्या पहुंचे योगीः कहा...

ये दिव्य देश का दिव्य द्वार है

● केंद्र, राज्य में बीजेपी सरकार आई, तो 500 साल में जो नहीं हुआ...वो 2 साल में हो गयाः सीएम

● योगी ने कहा– राम काज के लिए सबने खुद को समर्पित किया

अयोध्या,(एजेंसी)। यूपी में विधानसभा की 9 सीटों पर उप चुनाव के बीच सीएम योगी अयोध्या पहुंचे। कहा– चंद मुट्ठी भर लोग, उनके पास बुद्धि, धन और भौतिक बल नहीं था। तब भी वह हम पर हमला करने में सफल हुए। हमारी मां–बहनों की इज्जत से खेलने में सफल हुए। हमें गुलाम बनाने में सफल हुए। अपमान को झेलने को हम मजबूर हो गए। धर्म हमें सदमार्ग पर चलने के लिए कहता है। मगर समाज को सही दिशा में लेकर जाने की हमारी जिम्मेदारी है। इसीलिए मैं कहता हूं कि इतिहास की गलती रोकने के लिए हमको ही प्रयास करना है। पूरा समाज एक भाव और एक साथ लड़ाई लड़ता है, तब सफलता मिलती है। देखिए... एक भाव की सरकार केंद्र और राज्य में आई तो जो 500 साल में नहीं हुआ, वह 2 साल में हो गया। अगर 500 साल पहले भी अगर ऐसी ही एकता का परिचय दिया होता तो उसी वक्त स्थितियां बदल गई होतीं। इससे पहले सीएम योगी आदित्यनाथ ने हनुमानगढ़ी और राम मंदिर में दर्शन–पूजन किया। सुग्रीव किला के राजगोपुरम गेट का उद्घाटन किया। योगी ने कहा– राम काज के लिए सबने खुद को समर्पित किया योगी ने कहा– जब सुग्रीव किला में जब पहले हम आए थे। तब संकरा रास्ता था। अब अच्छा रास्ता है, मैं उसी की बधाई दे रहा हूं। यहां आने में कोई बाधा नहीं होगी। सनातन का संकल्प था, 500 वर्षों में ढांचा समाप्त हो, रामलला का मंदिर बन सके। पूज्य संतों का जो भाव था, एक काज के लिए सबने खुद को समर्पित किया। उन्होंने कहा– यह अहो भाग्य है, जिस कार्य के लिए पीढ़ियां समर्पित हुई, उसे हम अपने सामने होता हुआ देख रहे हैं। आज की अयोध्या में सिर्फ अध्यात्म का वातावरण है। यह दुनिया सबसे सुंदर नगरी बनने की राह पर है। यह जो भव्य स्वरूप दिख रहा है। अयोध्या वासियों का दायित्व है कि वह अयोध्या का ऐसा ही स्वरूप बनाए रखें। जब–जब सनातन को अपमान झेलना पड़ा, कमी जरूर रही उन्होंने कहा – आज अयोध्या में कई आश्रम हैं, वहां सनातनी वातावरण है। दुनिया में कहीं भी अगर सनातन को अपमान झेलना पड़ा, तो वहां कोई न कोई कमी जरूर रही। कोई भी सभ्य व्यवस्था, अपनी गलतियों का परिमार्जन जितनी जल्दी कर ले, वह उतना अच्छा है। समाज में कोई कमी है, फूट पड़ रही है, मतभेद हो रहे हैं, तो समय रहते उसका इलाज जरूरी है। दक्षिण भारतीय शैली में प्रवेश द्वार सुग्रीव किला के पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी विश्वेश प्रपन्नाचार्य ने बताया– श्रीराम जन्मभूमि पथ कॉरिडोर के निर्माण के समय इस मंदिर परिसर का एक भाग शामिल हो गया। इस वजह से प्रवेश द्वार को तोड़ना पड़ा। अब कॉरिडोर बन जाने के बाद सुग्रीव किला के प्रवेश द्वार को नए सिरे से दक्षिण भारतीय शैली में बनाया गया है। उन्होंने बताया– इसके साथ मंदिर परिसर में गरुड़ स्तंभ भी बनाया गया है। गरुड़ स्तंभ के साथ प्रवेश द्वार की प्रतिष्ठा का अनुष्ठान दक्षिण भारतीय विद्वानों द्वारा किया गया।

कानपुर में हंगामा... भाजपा प्रत्याशी की गाड़ी पर पथराव

कानपुर,(एजेंसी)। यूपी की उपचुनाव वाली नौ विधानसभा सीटों पर मतदान जारी है। इन सीटों पर कुल 3435974 मतदाता हैं। 11 महिलाओं समेत 90 प्रत्याशी मैदान में हैं। सबसे ज्यादा मतदाता गाजियाबाद और सबसे कम सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र में हैं। पढ़ें मतदान से जुड़ा हर अपडेट नच इल मसमबजपवद दमूरू चंडौस के बूथ संख्या एक पर ईवीएम खराब अलीगढ़ की

खैर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में चंडौस के बूथ संख्या एक पर ईवीएम खराब हो गई, जिसके कारण मतदान रुक गया है। सुबह खैर के चमन नगरिया, जला कसेरु और सोफा में मतदान बहिष्कार हुआ। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के समझाने पर मतदान शुरू हुआ। अन्य मतदान केंद्रों में वोटिंग जारी है। एक बजे तक 28.80 प्रतिशत मतदान हुआ। खैर में मतदान प्रतिशत बहुत धीमा है। मुजफ्फरनगर में दो पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई मुजफ्फरनगर के मीरापुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के दौरान चुनाव आयोग द्वारा जारी गाइडलाइंस का अनुपालन न करने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर अभिषेक सिंह ने उप निरीक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उप निरीक्षक नीरज कुमार थाना शाहपुर, मुजफ्फरनगर और उप निरीक्षक ओमपाल सिंह थाना भोपा, मुजफ्फरनगर पर कार्रवाई की गई है। समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी डॉ. ज्योति बिंद ने पुलिस प्रशासन पर सत्ता पक्ष के दबाव में मतदान प्रभावित करने का आरोप लगाया है।

पीएम को दो देशों से मिलेगा सर्वोच्च सम्मान

● 19 देश पीएम मोदी को दे चुके शीर्ष राष्ट्रीय सम्मान, फ्रांस और रूस ने भी नहीं छोड़ी कोई कसर

जॉर्जटाउन,(एजेंसी)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज दुनिया के सबसे पॉपुलर नेताओं में शामिल हैं। पीएम मोदी इन दिनों तीन देशों की यात्रा पर हैं, जिसमें से दो देशों ने उन्हें अपने सर्वोच्च सम्मान देने का ऐलान किया है। यह यात्रा और सम्मान प्रधानमंत्री मोदी की अंतरराष्ट्रीय राजनीति में बढ़ती प्रतिष्ठा का प्रतीक हैं। 1. नाइजीरिया यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा की शुरुआत नाइजीरिया से हुई। वहां उन्होंने विभिन्न द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की और देशों के बीच रिश्तों को मजबूत करने का प्रयास किया। 2. जी–20 शिखर सम्मेलन इसके बाद, पीएम मोदी जी–20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ब्राजील के रियो डी जेनेरियो शहर गए। यहां उन्होंने वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की और भारत के दृष्टिकोण को साझा किया। 3. गयाना यात्रा प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा का अंतिम चरण अब गयाना में है, जहां वे गयाना और बारबाडोस दोनों देशों से सम्मानित होने जा रहे हैं। गयाना और बारबाडोस से मिलेंगे ये सम्मान 1. गयाना से ष्द ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंसष गयाना ने पीएम मोदी को अपने सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार ष्द ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंसष से सम्मानित करने की घोषणा की है। यह गयाना का सबसे बड़ा नागरिक सम्मान है, जो किसी व्यक्ति की महत्वपूर्ण उपलब्धियों और योगदान के लिए दिया जाता है। 2. बारबाडोस से ष्ऑर्डर ऑफ फ्रीडम ऑफ बारबाडोसष बारबाडोस ने भी पीएम मोदी को अपने प्रतिष्ठित मानद पुरस्कार ष्ऑर्डर ऑफ फ्रीडम ऑफ बारबाडोसष से सम्मानित करने का निर्णय लिया है। यह पुरस्कार बारबाडोस के स्वतंत्रता संग्राम और राजनीतिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया जाता है। गयाना यात्रा का महत्व भारतीय मूल की बड़ी आबादी गयाना में भारतीय मूल के लोग बड़ी संख्या में बसे हुए हैं। गयाना में लगभग 3,20,000 भारतीय मूल के लोग रहते हैं, जो इस यात्रा को और भी खास बनाता है। पीएम मोदी की यात्रा से इन भारतीय समुदायों के साथ भारत के रिश्ते और भी मजबूत होंगे। गयाना में पीएम मोदी का स्वागत जब प्रधानमंत्री मोदी गयाना पहुंचे, तो वहां के राष्ट्रपति इरफान अली ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति ने अपने 12 से अधिक कैबिनेट मंत्रियों के साथ पीएम मोदी का स्वागत किया। यह दिखाता है कि गयाना भारत के साथ अपने संबंधों को बहुत महत्व देता है। 21 नवंबर तक गयाना में रहेंगे पीएम मोदी पीएम मोदी 21 नवंबर तक गयाना में रहेंगे। इस दौरान वे गयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली के साथ दोनों देशों के संबंधों को और रणनीतिक दिशा देने पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा, वे दूसरे भारत–कैरिकॉम शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे, जिसमें कैरेबियाई देशों के नेता शामिल होंगे। च्ड मोदी को अब तक मिले सम्मान प्रधानमंत्री मोदी को विदेशों से अब तक 19 अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिल चुके हैं। हाल ही में, डोमिनिका ने भी पीएम मोदी को अपने सर्वोच्च पुरस्कार ष्डोमिनिका अवार्ड ऑफ ऑनरष से सम्मानित करने की घोषणा की थी।

पाली सड़क हादसे में दो महिलाओं सहित चार लोगों की मौत

जयपुर,(एजेंसी)। राजस्थान में पाली जिले के रोहट थाना क्षेत्र में डंपर एवं एंबुलेंस में टक्कर हो जाने से दो महिलाओं सहित चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि जोधपुर एवं पाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर रोहट थाना क्षेत्र में गाजनगढ टोल नाके के निकट मंगलवार देर रात्रि करीब दो बजे एक बेकाबू डंपर ने सड़क पर खडी एंबुलेंस को टक्कर मार दी। घटना में बाडमेर जिले के बारासन निवासी मोहनी देवी (42), गुडा मालानी क्षेत्र के रहनेवाले फगली देवी (45), एंबुलेस चालक सुनी बिश्नोई एवं हरिराम बिश्नोई (53) गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना में घायल हुये सभी को पाली के बांगड अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सको ने मोहनी देवी एवं फगली देवी को मृत घोषित कर दिया जबकि शेष को जोधपुर रेफर किया गया। जोधपुर में इलाज के दौरान एंबुलेंस चालक सुनील बिश्नोई एवं हरिराम ने दम तोड दिया। पुलिस ने बताया कि मृतक एवं घायल जालोर जिले के रहने वाले है और अपने एक बीमार रिश्तेदार अशोक बिश्नोई को पालनपुर गुजरात से एंबुलेंस में लेकर अपने घर आ रहे थे। इसी र्दारान जोधपुर एवं पाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर रोहट थाना क्षेत्र में गाजनगढ टोल नाके के निकट एंबुलेंस खराब हो जाने के कारण जोधपुर से दूसरी एंबुलेंस मंगवाई गई। मरीज अशोक को दूसरी एंबुलेंस में शिफ्ट करने के दौरान ही आये तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से यह हादसा हो गया है।

सपा की शिकायत पर चुनाव आयोग की बड़ी कार्रवाई

● उपचुनाव के बीच यूपी में सात पुलिसवाले सस्पेंड

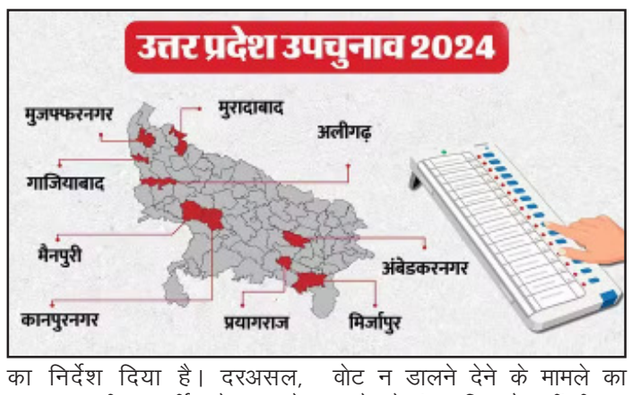

नोएडा,(एजेंसी)। चुनाव आयोग ने शिकायतों के आधार पर उपचुनाव के बीच पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की है। नौ सीटों पर वोटिंग के दौरान सात पुलिसवालों को सस्पेंड किया गया है। खुद अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट साझा कर ईसी से न्याय करने के लिए कहा था। उत्तर प्रदेश उपचुनाव के बीच चुनाव आयोग ने बड़ी कार्रवाई की है। सूत्रों के अनुसार चुनाव आयोग ने मतदाताओं की जांच करने और उन्हें मतदान करने से रोकने के दिशा–निर्देशों का उल्लंघन करने वाले पुलिसकर्मियों को निलंबित करने का आदेश दिया। मिली जानकारी के मुताबिक, मुरादाबाद में तीन और कानपुर में और मुजफ्फरनगर दो पुलिसवाले सस्पेंड किए गए हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने उत्तर प्रदेश चुनाव अधिकारियों को निष्पक्ष और सुचारू मतदान प्रक्रिया सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। दरअसल, समाजवादी पार्टी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर यूपी उपचुनाव के दौरान कुछ समुदायों को मतदान करने से रोकने की शिकायत की थी। इन शिकायतों का संज्ञान लेते हुए चुनाव आयोग ने यह कार्रवाई की है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा एक्स पर एक वीडियो साझा किया गया है, जिसमें एक पुलिस कर्मी मतदाता की पर्ची फाड़ता दिख रहा है। कानपुर के एसआई अरुण सिंह और राकेश नादर निलंबित किए गए हैं। इनका मतदाता को वापस करने का वीडियो वायरल हुआ था। वोट न डालने देने के मामले का आयोग ने संज्ञान लिया है। वहीं, मीरापुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के दौरान चुनाव आयोग द्वारा जारी गाइडलाइंस का अनुपालन न करने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर अभिषेक सिंह ने उप निरीक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उप निरीक्षक नीरज कुमार थाना शाहपुर, मुजफ्फरनगर और उप निरीक्षक ओमपाल सिंह थाना भोपा, मुजफ्फरनगर पर कार्रवाई की गई है। अखिलेश यादव ने पोस्ट किया कि उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा मतदातों को डराने का खौफ जारी है।

कांग्रेस, राकांपा हैं लूट, भ्रष्टाचार के सबसे बड़े खिलाड़ीः भाजपा

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) पर महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में क्रिप्टो मुद्रा बिटक्वाइन के माध्यम से गबन करके 235 करोड़ रुपए चुनावों में खर्च करने का आज आरोप लगाया और इस घोटाले की जांच कराने की मांग की। भाजपा के प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा ने यहां पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, "आज जब ये प्रेसवार्ता हो रही है तो हमारी पहली अपील है कि झारखंड और महाराष्ट्र में लोग लोकतंत्र के पर्व में भाग लेने के लिए घर से बाहर निकलें और विकास के पक्ष में, देश के पक्ष में और अपने राज्य के पक्ष में वोट जरूर डालें।" उन्होंने कहा कि मीडिया के माध्यम से पता चल रहा है कि महाविकास अघाड़ी के कुछ अग्रिम पंक्ति के नेता जिनमें सुप्रिया सुले जी और कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले जी शामिल हैं। उनके द्वारा लगभग 235 करोड़ रुपये के घोटाले, गबन और उस गबन के पैसे का इस चुनाव में खर्च का पूरा ब्योरा सामने आ रहा है। उन्होंने कहा, "ये एक गंभीर मामला है और स्वाभाविक रूप से न केवल महाराष्ट्र बल्कि पूरे देश और झारखंड के लोगों को भी इस मामले को समझना चाहिए। बिटक्वाइन और क्रिप्टो करेंसी ये बहुत ही भारी शब्द होते हैं। मैं इसको बहुत ही साधारण तरीके से समझाऊंगा कि किस प्रकार राहुल गांधी के कहने पर उनके महाराष्ट्र के अध्यक्ष किस प्रकार गबन कर रहे थे और ठीक उसी प्रकार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शरद पवार गुट की नेता और सांसद सुप्रिया सुले जी ने भी किस प्रकार से गबन किया है।" डॉ. पात्रा ने कहा, "इस मामले में कई किरदार हैं। लेकिन मुख्य किरदार रवींद्रनाथ पाटिल हैं। ये 2004 बैच के आईपीएस ऑफिसर हैं और इन्होंने 2010 में आईपीएस छोड़कर एक कॉर्पोरेट फर्म में नौकरी कर ली और वहां बाकायदा एक साइबर विशेषज्ञ के रूप में उन्होंने काम किया। 2018 में महाराष्ट्र में एक क्रिप्टो करेंसी साइबर धोखाधड़ी हुई। उसमें जांच के लिए रवींद्रनाथ पाटिल को एक साइबर एक्सपर्ट के रूप में लगाया गया।

1.14 लाख शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा

● नियुक्ति पत्र बांटने के बाद सीएम नीतीश कुमार ने कहीं यह बातें

पटना,(एजेंसी)। जिन नियोजित शिक्षकों ने सक्षमता परीक्षा पास कर लिया, उन्हें राज्यकर्मी का दर्जा मिलेगा। बिहार सरकार इनके योगदान को लेकर अलग से चिट्ठी जारी करेगी। नियुक्ति पत्र मिलते ही वह विशिष्ट शिक्षक कहलाएंगे। बिहार के एक लाख 14 हजार 138 नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा मिल गया है। इसके लिए पटना समेत कई जिले में नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गया, भोजपुर, कैमूर, सीतामढ़ी, वैशाली, मुजफ्फरपुर में आचार संहिता लागू होने के कारण यहां नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम नहीं हो रहा। पटना में सीएम नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मंत्री विजेंद्र यादव, मंत्री विजय चौधरी, मंत्री सुनील कुमार ने सक्षमता परीक्षा पास नियोजित शिक्षकों नियुक्ति पत्र प्रदान किया। जिन नियोजित शिक्षकों ने सक्षमता परीक्षा पास कर लिया, उन्हें राज्यकर्मी का दर्जा मिल गया। अब से यह विशिष्ट शिक्षक कहलाए जाएंगे बिना नाम लिए लालू राज पर सीएम नीतीश का हमला सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि नियोजित शिक्षक अब सक्षमता परीक्षा पास कर राज्यकर्मी बन गए हैं। आप सबलोग हाथ उठाकर शपथ लीजिए कि बच्चों को खूब पढ़ाइएगा। अच्छे से पढ़ाइएगा। आप सबलोगों को बहुत बहुत शुभकामनाएं। सबलोग बुलंदी से रहिए। सीएम नीतीश ने कहा कि हमलोगों जब 2005 में आए थे तब शिक्षा और स्वास्थ्य की व्यवस्था कैसी थी? यह सब जानते ही हैं। पहले लोग घर से कोई निकलता था। शाम होते ही लोग घर में रहते थे। हम जब सांसद थे तो अपने क्षेत्र में घूमने के लिए भी पैदल चलना पड़ता था। पहले स्कूलों की संख्या भी काफी कम थी। जितने लोगों को पढ़ना था, वह पढ़ नहीं पाते थे। इसके बाद हमलोग आए तो शिक्षा पर काम किया। पंचायत और नगर निकाय स्तर पर बड़े पैमाने पर स्कूल में शिक्षकों की बहाली की गई। दो चरणों में दो लाख से अधिक शिक्षकों की बहाली हुई सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि शिक्षक भर्ती परीक्षा के दो चरणों में दो लाख 17 हजार से अधिक शिक्षकों की बहाली हुई।

इसी समय हमलोगों ने फैसला लिया कि नियोजित शिक्षकों को सक्षमता परीक्षा पास करवाकर राज्यकर्मी का दर्जा दिलया जाए। सरकार ने निर्णय लिया कि इन लोगों ने शुरू से काम किया तो इन्हें राज्यकर्मी बनाया जाए।

पहली सक्षमता परीक्षा में एक लाख 87 हजार 818 नियोजित शिक्षक पास हुए। दूसरी सक्षमता परीक्षा में 65 हजार नियोजित शिक्षक पास हुए। परीक्षा पास करते के बाद सभी लोग राज्यकर्मी बन जाएंगे। बाकी और परीक्षाएं ली जाएंगे।

यात्रा जोखिम भरी

भारत में औसतन हर घंटे 53 सड़क हादसे होते हैं और उनमें 18 लोगों की जान जाती है– यानी रोज 432 मौतें। कुल जितनी दुर्घटनाएं होती हैं, उनमें 45 प्रतिशत में दो पहिया वाहन शामिल रहते हैं।भारत में सड़क यात्रा जोखिम भरी है, यह कोई रहस्य नहीं है। हर साल आने वाले आंकड़े इस बारे में चिंता बढ़ाते हैं, लेकिन उन आंकड़ों की चर्चा थमते ही सब कुछ जैसे को तैसा चलता रहता है। इसलिए परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के इस बारे में चिंता जताने से भी सूरत बदलेगी, इसकी आशा शायद ही किसी को होगी। भारत की छवि आज यह है कि यहां ऑटो उद्योग का तेजी से विकास हुआ है, लेकिन साथ ही भारत उन देशों में बना हुआ है, जहां सड़क हादसों में सबसे ज्यादा मौतें होती है।

गडकरी भारतीय ऑटोमोबिल निर्माता संघ के वार्षिक सम्मेलन में गए, तो वहां उन्होंने कंपनियों के कर्ता–धर्ताओं को अपनी चिंता बताई। जिक्र किया कि भारत में औसतन हर घंटे 53 सड़क हादसे होते हैं और 18 लोगों की जान जाती है– यानी रोज 432 मौतें। गडकरी ने बताया कि कुल जितनी दुर्घटनाएं होती हैं, उनमें 45 प्रतिशत में दो पहिया वाहन शामिल रहते हैं। उनके अलावा पैदल चलने वाले लोग लगभग 20 प्रतिशत दुर्घटनाओं के शिकार बनते हैं।यानी मौतों के मामले में देखें, तो निम्न मध्यम और निम्न आय वर्ग के लोग इनकी चपेट में ज्यादा आते हैं। उन मौतों के बाद पीडिघ्त परिवारों पर क्या गुजरती है, यह एक अलग दुखद दास्तां है। लेकिन समाधान क्या है? गडकरी ने कंपनी अधिकारियों से कहा कि उन्हें सुरक्षित ड्राइविंग सिखाने वाले स्कूल अधिक से अधिक संख्या में खोलने चाहिए। जाहिर है, यह एक सदिच्छा ही है।वैसे हादसों का एक बड़ा कारण सड़कों का असुरक्षित निर्माण भी है। स्पष्टतरू इसकी जवाबदेही सरकार पर आती है। गडकरी ने कहा कि सड़कों की गुणवत्ता सुधारने के लिए सरकार पहल कर रही है। लेकिन वो पहल कम जमीन पर उतरेगी और कब उसके सकारात्मक लाभ दिखेंगे, इस बारे में परिवहन मंत्री चुप ही रहे। यही समस्या है।

गंभीर मसलों के लिए दूसरों की जिम्मेदारी का जिक्र हमारी राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा बन चुका है। जब बात अपने दायित्व पर आती है, अक्सर अधिकारी सामान्य बातें कह कर निकल जाते हैं। जब तक इससे उबरा नहीं जाता, भारत की सड़कें इसी तरह जानलेवा बनी रहेंगी।

देश में कई दल परिवारवाद से ग्रस्त

बलबीर पुंज

द्रमुक के मुखिया और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने पार्टी के भीतर वरिष्ठ नेताओं की अनदेखी करते हुए अपने 46 वर्षीय पुत्र उदयनिधि स्टालिन को उप–मुख्यमंत्री नियुक्त कर दिया। 29 सितंबर को तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि द्वारा उदयनिधि के साथ चार और मंत्रियों को पद–गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। तमिलनाडु और द्रमुक में ऐसा पहली बार नहीं है, जब पिता मुख्यमंत्री और बेटा उप–मुख्यमंत्री रहे हो।

भारतीय राजनीति को परिवारवाद किस प्रकार अपनी जद में ले चुका है, तमिलनाडु का हालिया घटनाक्रम उसका उदाहरण है। यहां द्रविड़ मुनेत्र कडगम (द्रमुक) के मुखिया और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने पार्टी के भीतर वरिष्ठ नेताओं की अनदेखी करते हुए अपने 46 वर्षीय पुत्र उदयनिधि स्टालिन को उप–मुख्यमंत्री नियुक्त कर दिया। 29 सितंबर को तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि द्वारा उदयनिधि के साथ चार और मंत्रियों को पद–गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। तमिलनाडु और द्रमुक में ऐसा पहली बार नहीं है, जब पिता मुख्यमंत्री और बेटा उप–मुख्यमंत्री रहे हो।

वर्ष 2009 में एमके स्टालिन को भी उनके पिता और तत्कालीन मुख्यमंत्री एम।करुणानिधि ने उप–मुख्यमंत्री बना दिया था। जहां स्टालिन की चुनावी राजनीति की शुरूआत वर्ष 1984 में हुई, तो वही स्टालिन के बेटे उदयनिधि पहली बार वर्ष 2021 में विधायक चुने गए। डेढ़ साल बाद ही उदयनिधि मंत्रिमंडल में शामिल हो गए, तो अब वे राज्य के उपमुख्यमंत्री है। ये वही उदयनिधि है, जिन्होंने गत वर्ष सनातन संस्कृति की डेंगू–मलेरिया–कोरोना आदि बीमारियों से तुलना करते हुए उसे समाप्त करने की बात कही थी।करुणानिधि परिवार की तीसरी पीढ़ी उदयनिधि का हालिया प्रमोशन ऐसे समय हुआ है, जब द्रमुक अपनी 75वीं वर्षगांठ मना रहा है। वर्ष 1949 में सी।एन। अन्नादुरै ने पार्टी की स्थापना की थी। 1969 में उनकी मृत्यु के बाद पार्टी की कमान करुणानिधि के पास चली गई, जो तब प्रदेश के मुख्यमंत्री भी बने। उन्होंने अपने परिवार को राजनीति में आने के लिए प्रोत्साहित किया। अपने बेटे स्टालिन को उत्तराधिकारी बनाने की हठ ने वैको जैसे नेताओं को दरकिनार कर दिया, जो तब करुणानिधि के बाद पार्टी का नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त थे। इस कलह के कारण 1994 में द्रमुक का विभाजन हो गया। पार्टी में स्टालिन को अगली चुनौती उनके ही बड़े भाई एम।के। अलागिरी से ही मिली, जिन्हें 2014 में पार्टी से निकाल दिया गया। करुणानिधि की बेटी कनिमोझी पार्टी की लोकसभा सांसद है। द्रमुक के भीतर स्टालिन के बाद उदयनिधि के उभार के खिलाफ बहुत कम चुनौती दिखती है।

गांधीजी परिवारवाद के मुखर विरोधी थे। स्वतंत्रता के बाद उनके बड़े बेटे हरिलाल ने लावारिसों की भांति मुंबई स्थित अस्पताल में दम तोड़ा था। परंतु गांधीजी के नाम पर राजनीति करते हुए स्वतंत्र भारत के पहले प्रध ानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपनी इकलौती पुत्री इंदिरा गांधी को कांग्रेस अध्यक्ष बनाकर देश में वंशवादी राजनीति का बीजारोपण कर दिया। उस कालखंड में अधिनायकवादी मानसिकता का परिचय देते हुए इंदिरा ने पं।नेहरू को जनता द्वारा चुनी केरल की तत्कालीन वाम सरकार को

बर्खास्त करने और वहां राष्ट्रपति शासन थोपने के लिए विवश कर दिया था। इस घटनाक्रम ने कांग्रेस में एक व्यक्ति और एक परिवार के साथ पूर्ण देश और पार्टी की पहचान को जोडने की गैर–लोकतांत्रिक परंपरा की नींव डाल दी।व्यक्तिवाद से प्रेरित होकर इंदिरा ने न केवल देश पर आपातकाल (1975–77) थोप दिया, साथ ही अपने छोटे बेटे संजय गांधी को अपना उत्तराधिकारी भी बनाना शुरू कर दिया। तब संजय बिना के किसी अधिकार के तत्कालीन इंदिरा सरकार के कामकाज में दखल देते थे। जून 1980 में हवाई दुर्घटना में संजय की मौत के बाद राजीव औपचारिक रूप से राजनीति में आए, जो कालांतर में अपनी मां की निर्मम हत्या के बाद देश के प्रधानमंत्री बन गए। इसके बाद कुछ अपवाद को छोड़ दें, तो कांग्रेस पर प्रत्यक्ष–परोक्ष से नेहरू–गांधी परिवार (सोनिया–राहुल–प्रियंका) का प्रभुत्व है और पार्टी में योग्यता–प्रतिभा का स्तर इसी परिवार तक सीमित है।

पिछले सात दशकों में कांग्रेस ने जो वंशवाद प्रेरित राजनीतिक नजीर पेश की है, उसका नतीजा है कि देश में कई दल (छत्रप सहित) परिवारवाद से ग्रस्त हो चुके है, जो वर्तमान समय में सत्तापक्ष और विपक्षकृ दोनों में मिल जाएंगे। समाजवादी पार्टी की स्थापना मुलायम सिंह यादव ने की थी। बाद में उनके बेटे अखिलेश यादव अपने पिता की भांति उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री बने और आज पार्टी का नेतृत्व कर रहे है। मुलायम परिवार के अन्य कई सदस्य विभिन्न पदों (सांसद सहित) पर है। राष्ट्रीय जनता दल की स्थिति अलग नहीं है। इसकी शुरूआत लालू प्रसाद यादव ने की थी, जिसे अब उनके बेटे तेजस्वी यादव संभाल रहे है। लालू की पत्नी राबड़ी देवी भी अपने पति की तरह बिहार की मुख्यमंत्री रही हैं।शरद पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को वर्ष 1999 में खड़ा किया था, जो पारिवारिक कलह के कारण पिछले साल दो फाड़ हो गई। पवार की बेटी सुप्रिया सुले अपने पिता के दल में कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद हैं। पार्टी टूटने से पहले शिवसेना की कमान भी बाल ठाकरे के बाद बेटे उद्धव और पोते आदित्य के हाथों में थी। तृणमूल कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी में बुआओं (ममता–माया) और भतीजों (अभिषेक–आकाश) का वर्चस्व है। कश्मीर की राजनीति में दशकों से दो परिवारोंकृ अब्दुल्ला (शेख–फारुख–उमर) और मुफ्ती (सईद–महबूबा–इल्तिजा) का दबदबा है, जिसे धारा 370–35ए के संवैधानिक क्षरण के बाद कड़ी चुनौती मिल रही है।वर्तमान सत्ताधारी राजग सरकार के सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी भी परिवारवाद के आरोपों से घिरी है। इसकी स्थापना रामविलास पासवान ने की थी, जिनकी मृत्यु के बाद उनक भाई पशुपति कुमार ने पार्टी को संभाला, तो अब उनके बेटे चिराग पासवान पार्टी का नेतृत्व संभाल रहे है। इसी प्रकार तेलुगु देशम पार्टी को एन।टी। रामाराव ने स्थापित किया था, जिसकी अगुवाई उनके दामाद चंद्रबाबू नायडू कर रहे हैं, जिनके बेटे नारा लोकेश अपने की अगुवाई वाली आंध्र सरकार में मंत्री हैं। कर्नाटक पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा द्वारा स्थापित जनता दल (सेकुलर) पर भी उनके ही परिवार का दबदबा है। यही स्थिति ओडिशा में बीजू जनता दल की भी है। पंजाब में शिरोमणि अकाली दल का नेतृत्व बादल परिवार के हाथों में है, जिसका बीते दिनों पार्टी के भीतर विरोध भी हुआ था।वास्तव में, मौजूदा दौर में देश के दो ही राजनीतिक दलकृ भाजपा और वामपंथी दल ऐसे है, जो परिवारवाद के रोग से मुक्त दिखते है। इन दोनों, जो एक–दूसरे के वैचारिक तौर पर विरोधी हैकृ वहां केंद्रीय स्तर पर किसी एक परिवार का नियंत्रण नहीं है। जब भारत 2047 तक विकसित होने का सपना देख रहा है, क्या तब इस दौरान भारतीय राजनीति के संकीर्ण परिवारवाद से मुक्त होने उम्मीद की जा सकती है?

मतदाता धर्म आधारित तो बिल्कुल भी नही

ओमप्रकाश मेहता

देश के दो प्रधान धर्मों हिन्दू व मुस्लिम के बाहुलय मतदाताओं वाले राज्यों की विधानसभा चुनावों के परिणामों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि इन राज्यों के मतदाता धर्म आधारित तो बिल्कुल भी नही है। जम्मू–कश्मीर में जहां भाजपा को नेशनल कांफ्रेस से करीब आधी सीटें मिली, वहीं हिन्दू मतदाताओं के बाहुल्य वाले हरियाणा में कांग्रेस का काफी अवमूल्यन हुआ है, वैसे इस राज्य में कांग्रेस की जड़े गहरी है, किंतु इस बार मतदाताओं की सोच में समयानुसार परिवर्तन आया है, जिसका परिणाम यहां भाजपा का परचम लहराना है।

यद्यपि राजनीतिक पण्डितों की जम्मू–कश्मीर को लेकर यह सोच या आशंका अवश्य है कि वहां से नेशनल कांफ्रेस का जीतना भारत के लिए खतरनाक इसलिए है, क्योंकि नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारूख अब्दुल्ला व उनके बेटे उमर अब्दुल्ला की निजी सोच पाकिस्तान के काफी निकट है, वे समय–समय पर पाकिस्तान की पैरवी करते रहते है, इसलिए यह भारत की एकता के लिए खतरनाक हो सकता है, किंतु चूंकि जम्मू हिन्दू प्रधान और कश्मीर मुस्लिम प्रधान क्षेत्र है, इसलिए जम्मू और कश्मीर के राजनेताओं और मतदाताओं की सोच अलग हो सकती है, किंतु इस मसले को भारत सरकार को समय रहते गंभीरता से लेना चाहिए, वर्ना धरती का स्वर्ग हमारे हाथों से खिसक सकता है, इसी विभाजनकारी खोज के कारण भाजपा का कश्मीर में कोई अस्तित्व नही रह गया है, जबकि जम्मू में भाजपा का स्थान काफी अहम् है, इसलिए यदि यह कहा जाए कि जम्मू–कश्मीर की राजनीति धर्म आधारित है तो वह कतई गलत नही होगा।

फिर इस राजनीतिक बिन्दु पर हमने अभी से गंभीर रूप से ध्यान नही दिया तो फिर हम पाक अधीकृत कश्मीर को हमारे पाले में लाने के बारे में भी सोच नही कर पाएगें।?इस तरह कुल मिलाकर हमारे मस्तक पर विराजित इन दोनों महत्वपूर्ण क्षेत्रों जम्मू एवं कश्मीर के भविष्य पर गंभीर चिंतन जरूरी है और इस चिंतन की शुरूआत इन विधानसभा चुनाव परिणामों के साथ ही शुरू करना चाहिए।?करीब एक दशक के बाद जम्मू–कश्मीर में विधानसभा चुनाव हुए है और जनता ने भाजपा–कांग्रेस दोनों को ही सीधे–सीधे नकारते हुए नेशनल कांफ्रेंस के हाथों में राज्य की बागडोर सौंप दी है और लगे हाथ फारूख अब्दुल्ला ने अपने बेटे उमर अब्दुल्ला का नाम मुख्यमंत्री पद के लिए घोषित भी कर दिया।

यहां इस राजनीतिक माहौल में कांग्रेस के पूर्व वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद को भी भुलाया नही जा सकता, जिनकी वजह से अतीत में जम्मू–कश्मीर में कांग्रेस का परचम लहराया करता था, किंतु अब वे कांग्रेस से नाराज होकर अपने स्वयं द्वारा गठित नए राजनीतिक दल के सर्वेसर्वा है, यद्यपि उनकी अपनी पार्टी का राज्य में फिलहाल कोई विशेष अस्तित्व नही है, किंतु वे एक जाने–पहचाने राष्ट्रीय नेता अवश्य है। उनकी अपनी इन चुनावों में क्या भूमिका रही? यह अभी तक स्पष्ट नही हो पाया है किंतु उनकी मुख्य पहचान जम्मू–कश्मीर से ही हैं।

अब राजनीतिक पंडितों का इन चुनाव परिणामों को लेकर मुख्य चिंतन यह है कि इन दोनों राज्यों हरियाणा व जम्मू–कश्मीर के परिणामों का इस वर्ष के अंत तक होने वाले दो राज्यों व अगले वर्ष के प्रारंभ में दिल्ली तथा उसके साथ होने वाले राज्यों के विधानसभा चुनावों पर क्या होगा? भाजपा व कांग्रेस दोनों ही दलों के वरिष्ठ नेता इसी चिंतन में व्यस्त है।?आज की एक और परिपाटी बन गई है वह यह कि जब चुनाव आते है तो वहां राजनीति केंद्रित हो जाती है और परिणामों के असर जैसे कई भविष्यवादी मुद्दों पर चिंतन करती है और फिर श्कुर्सीश्च मिल जाने के बाद सब कुछ भुला देती है। यह सोच देश के राजनीतिक भविष्य के लिए कितनी सही है, इस पर निष्पक्ष चिंतन जरूरी है और इन चुनाव परिणामों के भावी असर पर सोच–विचार भी निष्पक्षता की परिधि में जरूरी है।

कांग्रेस कमाल की, रोने बिसूरने में लगी

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस कमाल की पार्टी हो गई है। चुनाव हारते ही वह इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम और चुनाव आयोग को कोसना शुरू कर देती है। हालांकि ऐसा नहीं है कि ईवीएम को लेकर सवाल नहीं हैं या चुनाव आयोग की भूमिका पक्षपातपूर्ण नहीं है। चुनाव आयोग की तटस्थता और निष्पक्षता तो काफी पहले तिरोहित हो चुकी है। लेकिन हर बार कांग्रेस के चुनाव हारने का कारण यही नहीं होता है। कांग्रेस हर बार अलग अलग कारणों से हारती है, जिनमें से कुछ कांग्रेस की अपनी राजनीति से जुड़े होते हैं तो कुछ देश की राजनीति और समाज व्यवस्था में आ रहे बदलावों से जुड़े होते हैं।

तभी हरियाणा में कांग्रेस की हार के कारणों को ज्यादा गहराई से समझने की जरुरत है। इसे लेकर कांग्रेस और उसका इकोसिस्टम जो नैरेटिव बना रहा है उसका कोई मजबूत आधार नहीं है। वह सिर्फ पार्टी नेतृत्व को जिम्मेदारी से बचाने, अपनी गलतियों पर परदा डालने और अपने समर्थकों की आंख में धूल झोंकने का एक प्रयास है। साथ ही यह इस बात का भी संकेत है कि कांग्रेस देश की सामाजिक व राजनीतिक व्यवस्था में हुए व्यापक परिवर्तनों की बारीकी को समझ नहीं पाई है या समझ कर भी कबूतर की तरह आंख बंद कर रही है ताकि खतरा नहीं दिखाई दे।

सबसे पहले ईवीएम की ही बात करें तो क्या कांग्रेस यह कहना चाह रही है कि ईवीएम में इस तरह की छेड़छाड़ की गई कि कांग्रेस का वोट प्रतिशत बढ़े और उसकी सीटें भी बढ़े लेकिन वह चुनाव हार जाए? ध्यान रहे कांग्रेस को पिछले चुनाव में 28 फीसदी वोट मिले थे, जो इस बार बढ़ कर 39 फीसदी से ज्यादा हो गया है। यानी उसके वोट प्रतिशत में 11 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। इसके मुकाबले भारतीय जनता पार्टी का वोट तीन फीसदी बढ़ा है। पिछले चुनाव में भी उसका वोट तीन ही फीसदी बढ़ा था।

कांग्रेस 10 सीटें बागी होकर चुनाव लड़े निर्दलीय उम्मीदवारों के कारण हारी है। तीन सीटों पर इंडियन नेशनल लोकदल और एक सीट पर बसपा को मिले वोट की वजह से कांग्रेस हारी है और पांच सीटों पर आम आदमी पार्टी को मिले वोट के कारण हारी है। एक सीट पर तो कांग्रेस सिर्फ 32 वोट से हारी, जहां आम आदमी पार्टी को ढाई हजार वोट आया। तो क्या कांग्रेस यह कहना चाह रही है कि यह सब बहुत गहरी साजिश का हिस्सा है? इतनी बारीकी से एक एक सीट पर एक एक ईवीएम को इस तरह से मैनेज किया गया कि कांग्रेस का वोट भी बढ़े, निर्दलियों के भी वोट बढ़ें, आम आदमी पार्टी को भी वोट आए और कांग्रेस की हार ऐसी है, जो कम से कम तकनीकी रूप से विश्वसनीय दिखे?

पता नहीं क्यों कांग्रेस नतीजे के राजनीतिक पहलू को नहीं देखना चाह रही है। राजनीतिक हकीकत यह है कि भाजपा ने माइक्रो प्रबंधन के तहत बड़ी संख्या में निर्दलीय उम्मीदवारों को खड़ा कराया और उनको चुनाव लडने में मदद की। ऐसी कोई रणनीति कांग्रेस नहीं बना सकी। इतने दो ध्रुवीय चुनाव में निर्दलीय व अन्य को 12 फीसदी के करीब वोट मिले हैं। दूसरे, यह संयोग कहें या प्रयोग लेकिन हरियाणा में कांग्रेस के जाट और दलित वोट समीकरण में सेंध लगाने वाले दो गठबंधन बने और दोनों ने चुनाव लड़ा। एक इनेलो और बसपा का तो दूसरा जजपा और आजाद समाज पार्टी का। इन दोनों गठबंधनों को साझा तौर पर सात फीसदी वोट मिले। तीसरे, कांग्रेस की एक रणनीतिक गलती यह रही कि उसने लोकसभा की तरह आम आदमी पार्टी के साथ तालमेल नहीं किया। लोकसभा में कांग्रेस ने 10 में से एक सीट उसके लिए छोड़ी थी। आप उम्मीदवार उस सीट पर हार गए थे लेकिन विपक्षी गठबंधन श्इंडियाश्च के एकजुट होकर लडने का मैसेज बना था, जिसका फायदा कांग्रेस को यह हुआ कि वह पांच सीट जीत गई। ध्यान रहे विधानसभा में आप को 1.80 फीसदी वोट मिले हैं।

चौथी बात यह है कि कांग्रेस इस मुगालते में रही कि भाजपा की डबल इंजन सरकार के खिलाफ 10 साल की एंटी इन्कम्बैंसी है। लोग उससे उबे हुए हैं और भाजपा ने खुद ही मनोहर लाल खट्टर को मुख्यमंत्री पद से हटा कर मान लिया है कि उसने हरियाणा में अच्छा काम नहीं किया है। लेकिन हकीकत यह है कि हरियाणा में या देश के ज्यादातर राज्यों में भाजपा की सरकारों के खिलाफ एंटी इन्कम्बैंसी जैसी कोई चीज नहीं होती है। कितने भी बरस सरकार चलाने के बाद भी भाजपा अपने वोट नहीं गंवा रही है। जिन राज्यों में वह हारी है वहां भी शायद ही कहीं ऐसा है कि उसके वोट कम हुए हैं। उसका आधार वोट उसके साथ जुड़ा हुआ है क्योंकि हिंदुत्व की अंतध ारा अब स्थायी हो गई है।

सांप्रदायिकता की राजनीति समाज में बहुत गहरे जड़ जमा चुकी है और भाजपा के मौजूदा नेतृत्व की तरफ से पिछले 10 साल से चलाए जा रहे अभियान की परिणति यह हई है कि भारतीय समाज की संरचना या विचारध ारात्मक अंतर्वस्तु में गुणात्मक बदलाव आया है। बहुसंख्यक हिंदू अब मुसलमान को स्थायी तौर पर अपने लिए खतरनाक मानने लगा है। श्अब्दुल

को टाइट्च करने की धारणा बहुत गहरे तक जड़ जमा चुकी है। पहले आमतौर पर सांप्रदायिक दंगों आदि के बाद इस तरह की धारणा बनती थी। लेकिन अब समाज में स्थायी खदबदाहट है। इस वजह से भाजपा का आध ार वोट उसके साथ ज्यादा मजबूती से जुड़ा है और हर चुनाव में इसमें कुछ बढ़ोतरी हो रही है। हरियाणा में भी लगातार तीन चुनावों में यह प्रवृत्ति दिखी है।पांचवें, कांग्रेस ने भाजपा की तरह अपने सामाजिक समीकरण पर ध्यान नहीं दिया। मुख्यमंत्री पद से मनोहर लाल खट्टर को हटा कर भाजपा ने नायब सिंह सैनी के जरिए अन्य पिछड़ी जाति का जो समीकरण साधा उसकी कांग्रेस ने अनदेखी कर दी। इसके उलट वह एंटी इन्कम्बैंसी और जवान, किसान व पहलवान के नाराज होने की धारणा को हवा देती रही। दूसरी ओर हरियाणा के संभवतरू पहले ओबीसी मुख्यमंत्री ने 36 फीसदी वोट को एकजुट कर दिया। खट्टर के चेहरे पर यह नहीं हो सकता था। भाजपा को पता था कि खट्टर को हटाने पर भी पंजाबी भाजपा के साथ रहेगा लेकिन सैनी संपूर्ण ओबीसी वोट जोड़ देंगे। उनके साथ भाजपा ने ब्राह्मण प्रदेश अध्यक्ष और पंजाबी, गुर्जर और यादव केंद्रीय मंत्री बनाया।

उसने जान बूझकर हरियाणा से कोई जाट केंद्रीय मंत्री नहीं बनाया। इसका मकसद गैर जाट वोटों को एक मैसेज देना था। छठा, कांग्रेस ने इस सामान्य राजनीतिक सिद्धांत पर ध्यान नहीं दिया कि जब सबसे मजबूत जाति एकजुट होती है तो उसकी प्रतिक्रिया में सामान्य रूप से अन्य जातियों की गोलबंदी होती है। उसने हरियाणा में जवान, किसान और पहलवान के नैरेटिव के साथ भूपेंद्र सिंह हुड्डा की कमान बनने का मैसेज बनने दिया। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इससे जाट पूरी तरह कांग्रेस के पक्ष में एकजुट हुआ लेकिन इससे जाटशाही आने का जो मैसेज बना उसको कांग्रेस काउंटर नहीं कर सकी और उसके विरोध में अन्य जातियां एकजुट हो गईं।

सातवां, भाजपा के तमाम शीर्ष नेताओं ने हुड्डा के 10 साल के कामकाज यानी 2014 से पहले के दस साल के कामकाज का मुद्दा बनाया। खर्ची और पर्ची से बहाली होने, जमीन में घोटाले और दलितों पर अत्याचार का मुद्दा चर्चा में आया। कांग्रेस ने इसका मजाक तो उड़ाया लेकिन वह प्रभावी तरीके से इसका जवाब नहीं दे सकी। आठवां, संगठन के मामले में कांग्रेस बेहद कमजोर और लापरवाह भी रही। विपक्ष में होने के बावजूद कांग्रेस ने संगठन नहीं बनाया। आठ साल से प्रदेश संगठन नहीं है। अध्यक्ष बदलते रहे और संगठन तदर्थ तरीके से काम करता रहा। पार्टी एक या दो व्यक्तियों के करिश्मे पर निर्भर रही। दूसरी ओर मोदी के करिश्मे और शाह की रणनीति के बावजूद भाजपा ने मजबूत संगठन बनाया, जिसका असर मतदान के दौरान दिखा। यह जमीनी रिपोर्ट है कि अनेक मतदान केंद्रों पर कांग्रेस के पोलिंग एजेंट्स नहीं थे। नौवां, टिकट बंटवारे में कांग्रेस ने कोई होमवर्क नहीं किया। जमीनी फीडबैक लिए बगैर अपनी हवा होने और हुड्डा के सबको जितवा लेने की ध ारणा पर टिकट बांटे। दसवां, कुमारी सैलजा की नाराजगी को बिल्कुल नीचे तक पहुंचने दिया और उसके बाद संकट प्रबंधन शुरू हुआ। इसका नतीजा यह हुआ कि दलितों का एक बड़ा हिस्सा गैर जाट की हवा में बह गया।

कांग्रेस इकोसिस्टम के लोग कह रहे हैं कि श्हरियाणा के लोगों ने दुष्यंत चौटाला को इसलिए हरा दिया क्योंकि वे भाजपा के साथ चले गए थे लेकिन उसी भाजपा को लोगों ने जीता दिया, यह बात गले नहीं उतरती हैश्च। ऐसे लोग खुद दिशाभ्रम का शिकार हैं और कांग्रेस नेतृत्व को भी हमेशा ऐसे ही भ्रम में डाले रहते हैं। पिछली बार जाट ध्रुवीकरण नहीं था, जिसकी वजह से दुष्यंत की पार्टी को करीब 15 फीसदी वोट मिले थे। इस बार उनके दादा की पार्टी इनेलो का थोड़ा उभार हुआ और दूसरी ओर हुड्डा के साथ साथ विनेश फोगाट यानी पहलवान और किसान व जवान की वजह से जाटों की गोलबंदी कांग्रेस के पक्ष में हुई।तभी दुष्यंत का 14 फीसदी वोट टूटा, जिसका थोड़ा हिस्सा इनेलो को गया और बाकी कांग्रेस के साथ आ गया। कांग्रेस का जो 11 फीसदी वोट बढ़ा है वह लगभग पूरा ही दुष्यंत चौटाला से टूट कर आया है और लगभग पूरा ही जाट का वोट है। सो, कांग्रेस का सामाजिक समीकरण मोटे तौर पर जाट, मुस्लिम और कुछ हद तक उम्मीदवार की जाति का रह गया। गैर जाट वोट कांग्रेस के विरोध में गए, जिसका बड़ा हिस्सा भाजपा को मिला। कांग्रेस को इन राजनीतिक कारणों पर गंभीरता से विचार करने की जरुरत है। लेकिन इसकी बजाय वह साजिश थ्योरी का बहाना बना कर रोने बिसूरने में लगी है।

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय ज्योतिष विभाग लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाःआज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

पुलिया दे रही हादसे को न्योता, आक्रोश

सीतापुर। महमूदाबाद रेउसा मार्ग खतरों से भरा है रेलिंग विहीन पुल व पुलिया हादसे को न्योता दे रही है आए दिन कोई ना कोई घटना का शिकार हो रहा है। ग्रामीणों में आक्रोश है कई बार ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से पल और पुलिया पर रेलिंग बनवाए जाने की मांग कर चुके हैं। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई । इलाके के सर्वेश रमेश सरोज ने बताया की रेलिंग विहीन पुलिया बहुत ही खतरनाक हो गई है महमूदाबाद रेउसा मार्ग पर चतुर्वेदी धर्म कांटा के पास पुल पर रेलिंग नहीं है रेउसा महमूदाबाद मार्ग पर जय मां दुर्गा पेट्रोल पंप के निकट पुलिया पुलिया की रेलिंग गायब है। कुछ ग्रामीणों का कहना है कई वर्षों पूर्व पल पर बनी रेलिंग को इलाके के कर रेलिंग को काटकर बेच दिए हैं इससे ठंडी में अधिक कोहरे से बहुत बड़े–बड़े हादसे होते रहते हैं।

तीन लोग घने कोहरे के चलते बोर्ड से टकराकर गंभीर रूप से घायल– सीतापुर। हरगांव मार्ग पर बृहस्पतिवार रात ग्राम मुद्रासन के निकट गैस एजेंसी के पास घने कोहरे के चलते एक बाइक पर बिना हेलमेट लगाए तीन लोग सड़क के किनारे लगे बोर्ड से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लहरपुर में भर्ती कराया गया जहां एक की हालत गंभीर देखते हुए उसे ओयल ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार बृहस्पतिवार रात कोतवाली बिसवां क्षेत्र के जहांगीराबाद निवासी अतीक पुत्र असलम 35 वर्ष बिना हेलमेट लगाए अपने दो अन्य साथियों के साथ बाइक पर सवार होकर हरगांव थाना क्षेत्र के ग्राम महादेव अटरा गये थे वापस आते समय रात्रि में घने कोहरे के चलते उनकी मोटरसाइकिल मुद्रासन गैस एजेंसी के निकट सड़क किनारे लगे बोर्ड में टकरा गई जिसके चलते बाइक सवार अतीक गंभीर रूप से घायल हो गया तथा उनके दो अन्य साथियों को हल्की–फुल्की चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने दुर्घटना की सूचना एंबुलेंस को दी मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लहरपुर में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने उनका प्राथमिक उपचार कर अतीक की हालत गंभीर देखते हुए ओयल स्थित ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया।

ब्रेक फेल होने से आगे चल रहे ट्रक में ट्रेलर ने मारी टक्कर

ड्रमडगंज, मीरजापुर(आरएनएस)। ड्रमडगंज थाना क्षेत्र के मीरजापुर रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित ड्रमडगंज घाटी के चुनहवा मोड़ के पास गुरुवार देर रात ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित ट्रेलर के आगे चल रहे ट्रक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया। ट्रेलर चालक ने कूदकर अपनी जान बचाई। संयोग ठीक था कि हादसे में ट्रेलर चालक को हल्की फुल्की चोटें आई हैं। जबलपुर से ट्रेलर पर क्रेन मशीन लादकर मुजफ्फरपुर जा रहा ट्रेलर जैसे ही ड्रमडगंज घाटी के चुनहवा मोड़ के पास पहुंचा तो अचानक ब्रेक फेल हो गया। अनियंत्रित ट्रेलर ने आगे चल रहे मक्का लदे ट्रक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया। 52 वर्षीय ट्रेलर चालक राजगिरि पांडेय निवासी छपरा बिहार ने ट्रेलर से नीचे कूदकर जान बचाई ट्रेलर चालक को नीचे कूदने के दौरान सिर में हल्की चोटें आई हैं। वहीं मक्का लादकर जा रहा ट्रक चालक कमलेश कुमार निवासी आरा बिहार बाल बाल बच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जांच पड़ताल करते हुए दोनों वाहनों के मालिकों को घटना की सूचना दी। वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुर्घटना होने से अनियंत्रित ड्रमडगंज घाटी में गुरुवार रात से ही एक लेन से वाहनों का आवागमन बंद है दूसरे लेन से वाहनों का आवागमन हो रहा है। थानाध्यक्ष अरविंद कुमार सरोज ने बताया कि ड्रमडगंज घाटी में नीचे उतरते समय ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित ट्रेलर आगे चल रहे ट्रक में टक्कर गया हादसे में ट्रेलर चालक को मामूली चोटें आई हैं जिसका उपचार करवाया गया है।

विशेषज्ञ प्रीती जायसवाल देंगी टिप्स

कौशाम्बी। डायट प्राचार्य निधि शुक्ला के नेतृत्व में गुरुवार को राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृति योजना परीक्षा 2025–26 में सम्मिलित होने वाले छात्र छात्राओं, छात्रों के अभिभावकों, शिक्षकों, हितधारकों, एआरपी, एसआरजी को परीक्षा से संबंधित एक प्रशिक्षण का आयोजन डायट में साढ़े ग्यारह बजे से डेढ़ बजे के बीच आयोजित किया जा रहा है। प्राचार्य ने बताया की इस प्रशिक्षण में मनोविज्ञानशाला प्रयागराज की विषय विशेषज्ञ प्रीती जायसवाल उपस्थित होकर परीक्षा से संबंधित टिप्स की जानकारी प्रदान करेंगी। इसके लिए सभी खंड शिक्षा अधिकारी फार्म भरने वाले अधिक से अधिक छात्रों एवं उनके शिक्षकों को प्रशिक्षण में प्रतिभाग कराएं जिससे परीक्षा में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थी लाभान्वित हो सके। प्राचार्य ने बताया की भारत सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के लिए कुल 15143 सीट का कोटा निर्धारित किया गया है जिसका जनपदवार कोटा निर्धारित है। परीक्षा में राज्य सरकार के नियमानुसार आरक्षण भी देय है। मेरिट के आधार पर चयनित छात्र छात्राओं को छात्रवृति के रूप में एक हजार रुपए प्रतिमाह की दर से बारह हजार रुपए वार्षिक छात्रवृति प्रस्तावित है, जो भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत देय होगी।

प्रतियोगिता में सुनिष्ठा व सत्यप्रकाश रहे प्रथम

कौशाम्बी। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मंझनपुर में प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षकों के जनपद स्तरीय आईसीटी आधारित कक्षा शिक्षण प्रतियोगिता का आयोजन मंगलवार को हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ डायट प्राचार्य निधि शुक्ला ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए निपुण विद्यालय बनाने में आईसीटी के प्रयोग को रेखांकित किया। एनसीईआरटी व एससीईआरटी के द्वारा आईसीटी के प्रयोग को कक्षा शिक्षण में लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की चर्चा की गई। आईसीटी के बेहतर प्रयोग से ही कक्षा शिक्षण में बच्चों केअधिगम स्तर को उच्च किया जा सकता है। उक्त प्रतियोगिता में जनपद के प्रत्येक विकासखंड के 5–5 प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में निसार अहमद सहायक आचार्य, डॉ रिजवी कॉलेज आफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट कौशांबी, इंद्रेश कुमार, सहायक आचार्य , मधु वाचस्पति इंजीनियरिंग कॉलेज कौशांबी और एजाज अहमद सहायक आचार्य मधु वाचस्पति इंजीनियरिंग कॉलेज कौशांबी ने प्रतिभागियों की आईसीटी आधारित दक्षताओं का परीक्षण किया। जिसमें शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में आईसीटी का प्रयोग करना नामांकन उपस्थिति एवं बच्चों की शैक्षिक संप्रति में हुई वृद्धि, दीक्षा पोर्टल का प्रयोग, शिक्षकों द्वारा किए जा रहे ऑनलाइन कोर्सेज का विवरण, आईसीटी आधारित मूल्यांकन टूल्स का प्रयोग, शिक्षकों के द्वारा आईसीटी के प्रयोग हेतु किया जा रहे प्रयासों एवं लाभ प्राप्त करने वाले हितधारकों आदि बिंदुओं पर आधारित कार्यों का परीक्षण किया गया। प्रतिभागियों ने अपने द्वारा किए जा रहे प्रयासों को पीपीटीवीडियो के माध्यम से प्रस्तुत किया। महिला वर्ग में सुनिष्ठा प्रजापति, सहायक अध्यापक, विकास सिंह, सहायक अध्यापक, उच्च प्राथमिक विद्यालय, रसूलपुर ब्यूर, नेवादा ने द्वितीय स्थान व आनंद कुमार, सहायक अध्यापक, प्राथमिक विद्यालय, चायल, ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में नोडल प्रवक्ता शकोशलेंद्र मिश्र व डा.देवेश सिंह यादव ने प्रतिभागियों को प्रतियोगिता से संबंधित दिशा निर्देश प्रदान किए।

बाइक सवार की मिली लाश

मीरजापुर(आरएनएस)। जिले के हलिया थाना क्षेत्र के बरंया गांव निवासी एक व्यक्ति की बीती देर रात वैद्य के यहां से दवा लेकर घर वापस आते समय साइकिल से असंतुलित हो कर खटखरिया नाले पर बने रेलिंग विहीन पुलिया के नीचे पानी में गिरने से घटना स्थल पर ही मौत हो गई। सुबह शौच के लिये गये ग्रामीणों ने इसकी जानकारी परिजनों सहित पुलिस को दी।

मौके पर पहुंचे परिजनों ने युवक की हत्या किये जाने की आशंका जताते हुए शव को उठाने नहीं दिया। पुलिस की सूचना पर पहुंची डाक स्कॉयड की टीम ने जांच पड़ताल किया इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। थाना क्षेत्र के बरया गांव निवासी हरीलाल कोल का 27 वर्षीय पुत्र सत्यलाल गुरुवार को दवा लेने करौंदिया गांव निवासी किसी वैद्य के यहां गया था कि देर रात साइकिल से वापस घर आते समय पुलिया पर रेलिंग न होने के कारण असंतुलित हो कर साइकिल सहित पुलिया के नीचे नाले में युवक गिर गया जिससे उसके सिर में गम्भीर चोट होने से बेहोशी हालत में पानी में चला गया जहाँ रात भर पड़ा रहा। सुबह ग्रामीण शौच के लिये गये तो उसे देखते ही परिजनों को सूचना दिया मौके पर पहुँचे परिजनों ने पुलिस को सूचना दी और युवक की हत्या किये जाने की आशंका जताने लगे कहा कि जांच के बाद ही शव का पीएम होगा।जिस पर पुलिस ने जिले से डाक स्कॉयड की टीम को बुलाया मौके पर पहुँची डाक स्कॉयड की टीम ने जांच पड़ताल किया इसके बाद पुलिस ने छह घंटे बाद शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। मृतक चार भाइयों दूसरे नम्बर पर था। मृतक को एक 6 वर्ष की लड़की व 4 वर्षीय लड़का है अचानक पति की मौत से पत्नी सविता का रो रोकर बुरा हाल है इस संबंध में थानाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह ने बताया कि मृतक के पिता हरीलाल की तहरीर पर साइकिल सवार की पुलिया से नीचे नदी में गिरने से हुई मौत के बाद शव को पीएम के लिये भेजा गया। परिजनों द्वारा हत्या किये जाने की आशंका जता रहे थे की डाक स्कॉयड टीम के जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है।

संक्षेप

आगनवाड़ी में ताला तोड़कर चोरी

कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय महगांव में बीती रात्रि अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर कई सामान उठा ले गए। प्राथमिक विद्यालय महगांव संदीपन घाट थाना से चंद कदम की दूरी पर है। उसके बावजूद चोरों के हौसले बुलंद है की उन्हे इसका कोई डर नही है। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका निधि श्रीवास्तव ने बताया की मंगलवार की सुबह जब वह स्कूल पहुंची तो विद्यालय के किचन और ऑफिस का ताला टूट देख दंग रह गई। जबकि रसोईघर में इंटरनल लॉक भी लगाया गया था चोरों ने उसे भी तोड़ डाला। चोरों ने किचन में रखा भरा सिलेंडर, चावल, गेंहू भरी बोरी, तेल, मसाला, दाल और आफिस में रखा कई सामान उठा ले गए। इसके साथ ही चोरों विद्यालय परिसर में स्थित आगनवाड़ी केंद्र का ताला तोड़कर वहां रखा सामान उठा ले गए। आगनवाड़ी कार्यकर्ता फरीदा बीबी ने बताया की चोरों ने आगनवाड़ी केंद्र से दाल, तेल, दलिया, भगोना और अन्य बर्तन उठा ले गए। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका ने बताया की स्कूल में पिछले तीन सालों से लगातार चोरी हो रही है लेकिन आज तक किसी चोरी का खुलासा नहीं हो सका है। चोरी की घटना की लिखित शिकायत संदीपन घाट पुलिस से की गई है।

विश्व निवेशक सप्ताह का आयोजन

चरवा, कौशाम्बी। नगर पंचायत कार्यालय चरवा में कृषा फाउंडेशन द्वारा आयोजित विश्व निवेशक सप्ताह 2024 का आयोजन बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज जागरूकता कार्यक्रम द्वारा आयोजित किया गया। चरवा नगर पंचायत चेयरमैन जगनारायण की अध्यक्षता में सेबी स्मार्ट ट्रैनर आरती हरिचंद्र मुख्य वक्ता के द्वारा निवेशकों को व्यक्तिगत वित्तीय प्रबंध के बारे मे विस्तारपूर्वक जानकारी दिया। प्रतिभूति बाजार में निवेश का तरीका बताया जिससे वित्तीय समावेशन के उद्देश्य की पूर्ति की जा सके। डीमैट ट्रेडिंग और बचत खातों से एसआईपी की कम निवेश एवं कम ज्ञान रखने वाले की प्रतिभूति के खरीद बिक्री के तरीकों को बताया। निवेशकों के सुरक्षा को ध्यान देते हुए सेबी के द्वारा जारी सेबी स्कोर, सारथी ऐप के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इसके साथ ही साथ वित्तीय क्षेत्र में हो रही धोखाधड़ी को रोकने के लिए लोगों को जागरूक किया गया। जिसमें साइबर सेल का टोल फ्री नंबर 1930 के बारे बताया गया। निवेशकों को हिदायत दी गई कि कहीं पर भी पैसा लगाने से पहले हमेशा सोच समझ कर ही निवेश करना चाहिए। इस कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष जगनारायण, सफाई नायक अमित कुमार, राजू कुशवाहा,श्याम बाबू, रंजीत पासी, शिवमोहन, धर्मेंद्र कुमार, प्रमोद कुमार, प्रिया त्रिपाठी, राजाराम,सभासद नवीन यादव, परवीन कुमार, मोनू कुमार और समस्त नगर पंचायत कर्मचारी मौजूद रहे।

छात्र का टेबल से गिरकर हाथ टूटा

नेवादा, कौशाम्बी। स्थानीय विकास खंड के शाहपुर पेरवा स्थित कम्पोजिट विद्यालय के अध्यापक बच्चों को पढ़ाने के बजाय मोबाइल फोन में मस्त रहते हैं। इस कारण बच्चे कक्षा में अध्यापक न होने के कारण आपस में मस्ती करते रहते हैं। सोमवार को मस्ती करते समय कक्षा आठ का छात्र टेबल से गिर गया। इससे उसका हाथ दो जगह से टूट गया। पिता ने मामले की शिकायत एसडीएम–सीओ समेत पिपरी थाने में की है। तहरीर मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।बूंदा गांव निवासी विक्रम मजदूरी कर परिवार का गुजारा करता है। विक्रम का 12 वर्षीय बेटा आदित्य कुमार शाहपुर पेरवा स्थित कम्पोजिट विद्यालय में कक्षा आठ का छात्र है। पिता के अनुसार विद्यालय में मौजूद अध्यापक कक्षा के बाहर बैठकर मोबाइल में मस्त रहते हैं। जबकि कक्षा के अंदर बच्चे मस्ती करते रहते हैं। सोमवार को आदित्य पढ़ने के लिए विद्यालय गया था। अध्यापक कक्षा के बाहर बैठकर मोबाइल चला रहे थे। कक्षा में अध्यापक न होने के कारण बच्चे आपस में मस्ती कर रहे थे। इसी दौरान टेबल से गिरने के कारण आदित्य का बायें हाथ की हड्डी दो जगह से टूट गई। इसके बाद भी अध्यापकों को होश नहीं हुआ। बच्चों ने ही उसे डाक्टर के पास पहुंचाकर मामले की जानकारी उसके परिजनों को दी। जानकारी मिलने के बाद बदहवास हालत में परिजन डाक्टर के पास पहुंचे।

शराब का चढ़ा ऐसा सुरुर,हुई मौत

मीरजापुर(आरएनएस)। शराब खराब है लेकिन पीने वालों को कौन समझाए. मिर्जापुर के कियांचल कोतवाली क्षेत्र में हुए एक हादसे ने शराब के नशे में झूम रहे व्यक्ति को मौत ने परिवार के लोगों को झकझोर कर रख दिया है. दरअसल मामला कुछ यूं है. विंध्याचल कोतवाली क्षेत्र के अकोढ़ी गांव निवासी अजय कुमार पुत्र जोखन 22 वर्ष साथियों संग शराब के नशे में पूरी तरह से धुत होकर गांव के समीप गौशेश्वर मंदिर के समीप बैठा हुआ था. तभी उधर से गुजर रहे एक तेज रफ्तार वाहन के सामने आ जाने से बुरी तरह से कुचलकर गंभीर रूप से घायल हो गया. जिसे घायलावस्था में मंडलीय अस्पताल स्थित ट्रामा सेंटर में लाया गया जहां उसकी मौत हो गई है. जानकारी होते ही मौके पर जहां हड़कंप मच गया था वहीं चिकित्सकों की मानें तो सिर बुरी तरह से कुचल जाने से बच पाना मुश्किल हो गया था. अजय की मौत से परिजनों का रो रोकर बुराहाल हो उठा था. मौके पर मौजूद लोगों की मानें तो वाहन के सामने अचानक आ जाने से यह दुर्घटना हुई है.

सामुदायिक शौचालय में रहता ताला

सिराथू, कौशाम्बी। सरकार भले ही स्वच्छता के लिए नित नई कवायद कर रही हो, लेकिन जिम्मेदार शासन की मंशा को परवान चढ़ाने में लापरवाही बरत रहे हैं। गांव में स्वच्छ भारत मिशन के तहत बनवाए गए सामुदायिक शौचालयों में या तो गंदगी की भरमार है या फिर ताला लगा रहता है। जिससे लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। जिससे शौचालय उद्देश्य विहिन साबित हो रहे है।ग्राम पंचायतों लाखों रुपए खर्च कर सामुदायिक शौचालयों का निर्माण कराया गया। विकास खण्ड कड़ा के केसारी ग्राम पंचायत में लाखों रुपये की लागत से सामुदायिक शौचालय बनवाया गया था लेकिन इस शौचालय में ताला लगा रहता है। साथ ही सामुदायिक शौचालय में गंदगी की भरमार है। जिसके कारण ग्रामीणों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए सामुदायिक शौचालय का ताला खुलवाएं जाने की मांग की है।

महंत सत्यभारती के प्रयास से अमौनी मठ पूरे देश में चर्चित

रुदौली–अयोध्या। मवई विकास खंड मवई के ग्राम अमौनी में गुरुवार की रात को जवाबी कीर्तन का आयोजन किया गया।जवाबी कीर्तन सुनने के लिए आस पास के गांवों बड़ी संख्या में लोग कीर्तन सुनने पहुंचे।जवाबी कीर्तन का उदघाटन कांग्रेस नेता दयानंद शुक्ला ने किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम से आपस में प्रेम और सौहार्द का वातावरण पैदा होता है। दयानंद शुक्ला ने अमौनी मठ के महन्त सत्यभारती महाराज की प्रशंसा करते हुए कहा कि महाराज जी के कुशल दिशा निर्देश में आज अमौनी धाम पूरे देश में चर्चित है। महाराज जी के नेतृत्व में आए दिन अमौनी मठ में धार्मिक कार्यक्रम होते रहते हैं।श्री शुक्ला ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से सर्व समाज में सदभाव और भाईचारे का माहौल बनता है।उन्होंने कहा कि आज अमौनी मठ के आस पास जो विकास कार्य हुए हैं वह सत्य भारती महाराज के प्रयास का ही प्रतिफल है।जवाबी कीर्तन कानपुर के लालमन चंचल तथा मध्यप्रदेश के भिण्ड की कल्पना दूबे के बीच हुआ।

विधिक जागरुकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश एवं जनपद न्यायाधीश/ अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अब्दुल शाहिद के मार्गदर्शन में विधिक सेवा दिवस के अवसर पर राजकीय इंटर कॉलेज प्रतापगढ़ के छात्रों द्वारा विधिक जागरूकता रैली निकाली गई जिसे अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुमित पंवार एवं शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक ओमकार राणा एवं प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज कुलश्रेष्ठ तिवारी उपस्थित रहे।

इसके उपरांत सदर तहसील समागार में आयोजित विधिक जागरूकता कार्यक्रम का कार्यक्रम का शुभारम्भ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुमित पंवार द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर शुरुआत की गई। इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए अपर जिला जज सुमित पंवार ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में प्रत्येक व्यक्ति को सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक न्याय उपलब्ध कराना सन्निहित है, संविधान का उद्देश्य कल्याणकारी राज्य बनाना है, विधि के समक्ष समता प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, गरीबी के कारण कोई न्याय से वंचित न हो इसलिए निशुल्क विधिक सहायता का प्रावधान किया गया है। उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी नागरिकों के लिए उचित, निष्पक्ष ,न्याय प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए एवं लोगों को जागरूक करने के लिए प्रत्येक वर्ष 9 नवंबर को राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस मनाया जाता है। राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस मनाने की शुरुआत सर्वप्रथम 9 नवंबर 1995 को हुई थी, जिसका उद्देश्य है समाज के कमजोर वर्गों को निशुल्क विधिक सहायता के बारे में जानकारी प्रदान करना।

इस अवसर पर उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एम0एस0 हैदर ने जननी सुरक्षा योजना के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि इसके अंतर्गत महिलाओं को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। आयुष्मान भारत योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 70 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों का भी आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत कार्ड बनाने का प्रावधान किया गया है। उप निरीक्षक प्रतिभा सिंह ने कहा कि नारियों के सशक्त होने से हमारा समाज सशक्त होगा। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं सशक्तिकरण हेतु महिला सहायता हेल्पलाइन 181 एवं 1090 हेल्पलाइन नंबर एवं साइबर क्राइम से बचने के संदर्भ में 1930 एवं ऐसी महिलाएं जिन्हें कार्य स्थल से घर जाने में विलंब हो गया है और कोई साधन उपलब्ध न हो पुलिस सहायता नंबर 112 की मदद प्राप्त कर सकती हैं । इस अवसर पर के लीगल एट डिफेंस काउंसिल महावीर यादव ने कारागार में विरुद्ध बंदियों के लिए विधिक सहायता प्राप्त करने के विषय में जानकारी प्रदान किया। डिप्टी लीगल एड डिफेंस काउंसिल अभय प्रताप सिंह द्वारा विधिक सहायता की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में विशिष्ट कार्यों के लिए महावीर यादव चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल, अभय सिंह डिप्टी लीगल एड डिफेंस काउंसिल, रजनी गुप्ता सहायक लीगल एड डिफेंस काउंसिल, महेंद्र त्रिपाठी गिरीश पाण्डेय, अमन त्रिपाठी पीएलवी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन नायब तहसीलदार सदर आनंद एवं कार्यक्रम का संचालन राम प्रकाश पाण्डेय पीएलवी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संचालक लीगल एड क्लीनिक द्वारा किया गया। इस अवसर पर नायब नाजिर शेखर सिंह शैलेश ओझा, अजय शर्मा, प्रमोद सिंह यादव आदि लोग मौजूद रहे।

असुरक्षित जगह पर बनाया जा रहा उपनिबंधक कार्यालय जनता होगी परेशान

फतेहपुर–बाराबंकी। अधिवक्ताओं की हड़ताल शुक्रवार नवें दिन भी जारी रही। अधिवक्ताओं ने तहसील चौराहा जामकर नारेबाजी की, और अपनी मांगो को पूरा करने की मांग की। कलम बन्द इस हड़ताल के चलते नवें दिन भी राजस्व अदालतों में कार्य नही हो पाया न ही पंजीयन का कोई कार्य कार्यालय पर नहीं हो पाया। मालुम हो कि स्थानीय बार संघ के अधिवक्ता बाईपास पर बनाये जा रहे प्रस्तावित उपनिबन्धक कार्यालय के विरोध में रजिस्ट्री दफ्तर घेरकर धरना प्रदर्शन कर रहे बार संघ के अध्यक्ष प्रदीप कुमार निगम का कहना है कि बाईपास रोड पर असुरक्षित तथा गंदगी के ढेर पर तहसील से काफी दूर इस कार्यालय का नक्शा पास किया गया है जिसका निर्माण मात्र 3200 वर्गफिट में ही होना है। ऐसी दशा में पुराना उपनिबन्धक कार्यालय काफी जर्जर है और यहां पर भी इससे ज्यादा भूमि सरकारी खाली पड़ी है जिसका प्रयोग करके पुरानी तहसील परिसर में इसका निर्माण कार्य करवाये जाने की मांग की जा रही है किन्तु अभी तक विभाग द्वारा जो वार्ता हुई है उसका अभी तक कोई सकारात्मक परिणाम नही निकल पाया है। इस कारण अधिवक्ता अनवरत हड़ताल को आगे बढाने के लिए मजबूर है। इस सम्बन्ध में उन्होने आगे बताया, कि वह क्षेत्रीय भाजपा विधायक से भी मिलकर तहसील में पुराने उपनिबन्धक कार्यालय के स्थान पर ही सरकारी नक्शा पास करवाकर बनाया जाए इस मांग को लेकर अधिवक्ताओं का एक प्रतिनिधि मण्डल क्षेत्रीय भाजपा विधायक से वार्ता करेगा। यह शुक्रवार को धरना स्थल पर निर्णय लिया गया है। इससे पूर्व अधिवक्ताओं ने नये तहसील परिसर में जाने से पहले तहसील चौराहे पर 15 मिनट तक जाम लगाकर नारेबाजी की बाद में राहगीरों के आग्रह पर अधिवक्ता नये तहसील परिसर की ओर से नारेबाजी करते हुए पुनः धरना स्थल पर वापस आ गये। इस मौके पर महामंत्री संजय सिंह नम्बरदार, राजीव नयन तिवारी, हरिनाम सिंह वर्मा, प्रिंस वर्मा, सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तागण मौजूद रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस का किया गया आयोजन

कुशीनगर। जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा की उपस्थिति में तहसील पडरौना सदर के समागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा सर्वप्रथम संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर समागार में आए हुए जनता, फरियादियों की समस्याओं व शिकायतों को बारी –बारी से गम्भीरता के साथ सुनने के उपरान्त विभागीय अधिकारियों के माध्यम से मौके पर ही उनका निस्तारण किया गया तथा अवशेष प्रार्थना पत्रों के सम्बन्ध में संबंधित अधिकारियों को त्वरित, समय बद्ध , गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए सुपुर्द कर दिए गए। डीएम ने समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि समाधान दिवस पर आए हुए शिकायतों को सदैव प्राथमिकता पर रखते हुए हर पीड़ित की समस्या का निष्पक्ष निस्तारण करना सुनिश्चित करें। जिन शिकायतों का निस्तारण आज नहीं हो सका है। उनका समय के अंतर्गत शासन की मंशानुसार निर्धारित अवधि के भीतर सुचिता एवं पारदर्शिता के साथ गुणवत्ता पूर्ण एवं संतुष्टिपूर्ण शत प्रतिशत निस्तारण हो जाना चाहिए। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने पुलिस विभाग से जुड़े मामलों की सुनवाई की व पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं थानाध्यक्षों को प्राप्त सभी सन्दर्भों का निस्तारण राजस्व विभाग की सहायता से टीम बनाकर प्राथमिकता एवं गुणवत्ता के साथ शत प्रतिशत सुनिश्चित कराये जाने का निर्देश दिया। राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारी कर्मचारियों को शिकायतों को गम्भीरता से लेकर शत–प्रतिशत निष्पक्ष निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया।

डीपीएस पब्लिक स्कूल बच्चों को मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत किया जागरूक

प्रतापगढ़। जिला प्रोबेशन अधिकारी के आदेशानुसार मिशन शक्ति फेज–5 के अन्तर्गत डी0पी0एस0 पब्लिक स्कूल बिहारगंज में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें वन स्टाप सेन्टर की केन्द्र प्रशासक नीरजा कुमारी द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। बच्चों को नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी एवं बच्चों को सशक्त बनाने हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, स्पान्सरशिप योजना एवं वन स्टाप सेन्टर, टोल फ्री नम्बर 181, 1098, 1076, 1930, 108, 102, 112 की जानकारी दी गई। इस दौरान आस्था तिवारी, आयुषी ओझा, आंचल मौर्य को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में डीपीएस पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य अल्का पाण्डेय सहित साधना तिवारी, साधना मिश्रा, महावीरा, अंकिता सिंह, प्रिया मौर्य, सौम्या ठाकुर, शुभम राव, प्रशान्त पटेल, सपना सिंह, निकिता सिंह आदि सम्मिलित रहे।

राजस्व प्रशासन एवं कर–करेत्तर राजस्व संग्रह की समीक्षा की

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय के सभागार में राजस्व प्रशासन एवं कर–करेत्तर राजस्व संग्रह की समीक्षा की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने खनन, आबकारी, परिवहन विभाग, स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन, मण्डी, वाणिज्य कर सहित अन्य विभागों के राजस्व वसूली की समीक्षा की और निर्देशित किया कि राजस्व वसूली के कार्य में किसी भी तरह की शिथिलता क्षम्य नही होगी, सभी जिम्मेदार अधिकारी शासन की ओर से निर्धारित लक्ष्यों को तय समय सीमा में प्राप्त करें। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया कि नामान्तरण, पैमाइश, वरासत के प्रकरणों को लम्बित न रहें उनका निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाये। आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें, शिकायतें डिफाल्टर श्रेणी में कदापि न जाने पाये। बैठक में जिलाधिकारी ने 03 वर्ष से न्यायालय में लम्बित वादों की समीक्षा कर उपजिलाधिकारियों/तहसीलदारों को निर्देशित किया कि लम्बित वादों का निस्तारण एक माह के भीतर प्राथमिकता के आधार पर किया जाये। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि तहसीलों के अन्तर्गत जिन तालाबों पर अतिक्रमण/कब्जा है उन्हें मुक्त

> न्यायालय में लम्बित वादों का निस्तारण एक माह के भीतर प्राथमिकता के आधार पर किया जाये–जिलाधिकारी

> राजस्व वसूली के कार्य में किसी भी तरह की शिथिलता क्षम्य नही होगी–जिलाधिकारी

कराकर मत्स्य पालकों हेतु पट्टा आवंटन की कार्यवाही एक सप्ताह में पूर्ण करायी जाये। गंगा, गोमती, सई नदियों पर खण्ड बनाने की कार्यवाही की जाये। दैवीय आपदा की समीक्षा में जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारियों/तहसीलदारों को निर्देशित किया कि दैवीय आपदा के प्रकरणों पर 24 घंटे के अन्दर आवश्यक कार्यवाही कर पीड़ित लाभार्थी को लाभ दिया जाये। बैठक चकबन्दी, राजस्व विभाग के अन्य कार्य जिसमें स्वामित्व योजना, घरौनी, आडिट आपत्ति सहित अन्य कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होने उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों को निर्देशित किया कि अपने–अपने कार्यों एवं दायित्वों का सम्यक निर्वहन करें, लापरवाही कदापि न बरतें, अन्यथा की स्थिति में आवश्यक कार्यवाई की जायेगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय तिवारी, सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारी, समस्त उपजिलाधिकारी, तहसीलदार व नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।बैठक के उपरान्त जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियन्ता के साथ बैठक की।

अतिक्रमण मुक्त कराया

प्रयागराज। पानी टंकी तिराहा से लेकार नवाब युसूफ रोड होते हुए विजली घर चौराहा तक तक नगर निगम प्रयागराज द्वारा अतिक्रमण मुक्त

कराया गया तथा अतिक्रमण से पहले व अतिक्रमण के हटाने के बाद की फोटोग्राफी करायी गयी एवं दोनों तरफ की पटरियों साफ करायी गयी तथा कुल जुर्माना रू0–14,000ः– शमन शुल्क वसूला गया। अतिक्रमण में हटाने में थाना सिविल लाइन्स, प्रयागराज का सहयोग लिया गया। तथा इस सम्बन्ध में सिविल लाइन्स थाने को अवगत करा दिया गया है कि शासनादेशानुसार उक्त स्थल पर पुनः अतिक्रमण न हो इसकी जिम्मेदारी सम्बन्धित थाने की है।

घोषित किया संयुक्त शोध प्रवेश परीक्षा का परिणाम, पहले चरण में 27 विषयों का रिजल्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) ने संयुक्त शोध प्रवेश परीक्षा (क्रेट)–2024 का परिणाम मंगलवार शाम को जारी कर दिया। हालांकि, अभी 27 विषयों का रिजल्ट ही घोषित किया गया है। शेष 16 विषयों का परिणाम भी जल्द घोषित किया जाएगा। अभ्यर्थी अपना परिणाम और स्कोर कार्ड इविवि वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक https://aupravesh2024.cbteÛam-in/ पर देख और डाउनलोड कर सकते हैं। इविवि एवं संघटक महाविद्यालयों में 43 विषयों में पीएचडी की 1219 सीटों प्रवेश होने हैं। इनमें विश्वविद्यालय के विभागों एवं केंद्रों में 770 और संघटक महाविद्यालयों में 449 सीटें शामिल हैं। इविवि की ओर से आयोजित संयुक्त शोध प्रवेश परीक्षा में 7424 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। जिन 27 विषयों के परिणाम घोषित किए गए हैं, उनमें कृषि वनस्पति विज्ञान, कृषि रसायनशास्त्र, प्राचीन इतिहास, मानव विज्ञान, वायुमंडलीय और महासागर विज्ञान, व्यावहारिक एवं संज्ञानात्मक विज्ञान, जैव रसायन, वनस्पति विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, रसायन विज्ञान, ग्रामीण प्रौद्योगिकी में डिजाइन और नवाचार, विकास अध्ययन, पृथ्वी और ग्रह विज्ञान शामिल हैं। इसके अलावा शिक्षाशास्त्र, पर्यावरण विज्ञान, खाद्य प्रौद्योगिकी, विधि, सामग्री विज्ञान, गणित, संगीत एवं प्रदर्शन कला, दर्शनशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, संस्कृत, सांख्यिकी, रंगमंच एवं फिल्म एवं जंतु विज्ञान के परिणाम भी जारी किए गए हैं। प्रवेश समिति के निदेशक प्रो. जेके पति के अनुसार क्रेट– लेवल वन में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को संबंधित विभागोंध्केंद्रों द्वारा आयोजित लेवल–टू प्रक्रिया में शामिल होना है। चयनित अभ्यर्थियों की पात्रता दस्तावेजों की जांच एवं सत्यापन के बाद तय की जाएगी।

फूलपुर विधानसभा के लिए शुरू हुआ मतदान, 12 प्रत्याशी हैं मैदान में

प्रयागराज। फूलपुर विधानसभा के लिए सुबह सात बजे मतदान शुरू हुआ। कुल बारह प्रत्याशी मैदान में हैं। चार लाख सात हजार से अधिक मतदाता हैं। वोटिंग शाम पांच बजे तक होगी। ज्यादातर बूथों पर मतदान शुरू हो गया है। नैका प्राथमिक विद्यालय पर करीब सवा सात बजे वोटिंग शुरू हुई। फिलहाल कहीं से बड़ी शिकायत नहीं आई है। 11बजे तक कुल 17.68: मतदान हुआ है। दोपहर एक बजे तक 36.58 प्रतिशत मतदान हुआ है। झूंसी में 80 वर्षीय शकुंतला देवी अपने परिवार के साथ झूंसी के सेंट्रल एकेडमी मतदान केंद्र पर वोट डाला। झूंसी के कई बूथ पर मतदाता पर्ची न बनने के कारण लोग परेशान रहे। सर्वर धीमा होने सर्वर धीमा होने के ऑनलाइन पर्ची मुश्किल से बन रही है। बूथों पर लगे पार्टी के बस्ते के आगे वोटर भटक रहे हैं।

महाप्रबंधक ने जंक्शन का निरीक्षण किया

प्रयागराज। महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे उपेंद्र चन्द्र जोशी ने महाकुंभ –2025 के दृष्टिगत प्रयागराज जंक्शन स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने यात्री सुविधाओं एवं विकास कार्यों का बारीकी से अवलोकन किया । निरीक्षण के दौरान मुख्य प्रशासनिक अधिकारी निर्माण उत्तर मध्य रेलवे विपिन कुमारय मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज हिमांशु बडोनीय अपर मंडल रेल प्रबंधक सामान्य, संजय सिंह महाप्रबंधक निरीक्षण के दौरान स्टेशन पुनर्विकास योजना के अंतर्गत विकसित किए जा रहे प्रयागराज जंक्शन के विकास कार्यों को गहनता से देखा और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। निर्माणाधीन कार्यों

के निरीक्षण के बाद महाप्रबंधक महोदय ने महाकुम्भ –2025 के दृष्टिगत प्रयागराज जंक्शन पर की जा रही तैयारियों को भी देखा । निरीक्षण के दौरान यात्री आश्रय में प्रकाश, पेयजल, शौचालय, टिकट, खानपान सेवाओं किस तरह कार्य करेंगी इस पर अधिकारियों से विस्तृत बातचीत की । प्रयागराज जंक्शन पर महाकुंभ –2025 में देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को यात्रा का सुखद अनुभव देने के लिए रेलवे पुख्ता तैयारी कर रहा है। आसान टिकट वितरण, यात्री आश्रय, स्टेशन भवनध्प्लेटफॉर्मध्कवर शेड का निर्माणध विस्तारध्सुधार, अतिरिक्त एफओबी का निर्माणध्मरम्मत, वाशिंग लाइनों का निर्माणध्उन्नयन, यात्री सूचना प्रणाली का विस्तार, सर्कुलेटिंग एरिया में सुधार, रेलवे परिसर में बाउंड्री का निर्माण, सड़कों का सुधार एवं चौड़ीकरण, सीसीटीवी और सुरक्षा व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, जलापूर्ति में वृद्धि, साइनेज, एग्जीक्यूटिव लाउंज का निर्माण, शौचालय सुविधाओं में वृद्धि कर रेलवे अपनी सर्वोत्तम सेवाएं देने के लिए तैयारी कर रहा है । महाप्रबंधक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि, चल रहे कार्यों से रेल यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, कार्य की उच्चतम गुणवत्ता का ध्यान रखा जाए । निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक महोदय ने कार्य को गुणवत्ता के साथ समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए और कहा सभी संबंधित कर्मचारी कार्य के दौरान संरक्षा के नियमों का पालन किया जाना सुनिश्चित करें।

ज्वाला देवी ने विद्वत गोष्ठी का आयोजन

प्रयागराज। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर मंथन हेतु विद्यालय के विशाल सभागार में विद्वत परिषद गोष्ठी का आरम्भ सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथि विश्व हिन्दू परिषद काशी प्रान्त के अध्यक्ष कवीन्द्र प्रताप सिंह पारंपरिक रूप से एक व्यक्ति को दिए गए ज्ञान और संस्कारों को ही शिक्षा कहा जाता है। इसके अलावा, यह अगली पीढ़ी को शिक्षा को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया भी है। अध्यक्ष विद्या भारती काशी प्रदेश के उपाध्यक्ष डॉ0 रघुराज प्रताप सिंह शिक्षा के साथ वास्तविक शब्द जोड़ने पर एक विशेष अर्थ प्रदान करता है। वास्तविक शिक्षा इस बात पर जोर देती है कि पाठ्यचर्या और इसके प्रमुख तरीकों के अलावा वास्तव में शिक्षा क्या है? प्रत्येक देश और हर स्थिति के लिए शिक्षा का महत्व भी आवश्यक रहा है। आधुनिक काल के लिए प्राचीन काल, शिक्षा, लक्ष्य, एवं द्रव्य आदि की प्रकृति और हमेशा अपने वास्तविक आकार को खोजने की कोशिश की। विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय की

पीआरओ वीसी डॉ जया कपूर ने कहा कि हमारे ऋषि मुनियों ने "विद्या या विद्यालय" के ज्ञान को देकर शिक्षा के महत्व पर बल दिया। वास्तविक शिक्षा वह है जो मोक्ष का मार्ग प्रदान करती है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में भारतीय ज्ञान परम्परा कैसी हो यह जानने के लिए विभिन्न विद्वतजनों को आहूत करके इस विद्वत गोष्ठी का आयोजन किया गया है। भारतीय शिक्षा दर्शन पर अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि चिन्तन–मनन मानव जीवन की स्वाभाविक प्रक्रिया है। काल चक्र की गति के अनुरूप मनुष्य के विचार की विषयवस्तु में परिवर्तन होने के कारण दर्शन भी प्रभावित होता रहा है। जीवन दर्शन एवं दार्शनिक आधार में परिवर्तन होने के कारण शिक्षा दर्शन के स्वरूप में भी परिवर्तन होते रहते हैं। जब–जब समाज में व्याप्त रूढियों ने मानव–जीवन को अंधेरे में ढकेलने की कोशिश की, तब–तब तत्कालीन विचारकों, चिन्तकों एवं समाज सुधारकों ने समय की मांग के अनुसार विचारों में एक नया मोड़ दिया है। प्राचीन भारतीय समाज, संस्कृति तथा शिक्षा के मूलाधार वेद रहे हैं। वेद ही भारतीय दर्शन के स्रोत हैं। डॉ0 एस0एस0 माथुर का कथन है कि ''वेद स्वयं में कोई दार्शनिक ग्रन्थ नहीं है, वरन् इनमें सभी भारतीय दर्शनों के आधार मिलते हैं।'' प्रधानाचार्य प्रधानाचार्य विक्रम बहादुर सिंह परिहार ने कहा कि भारतीय सभ्यता ने ज्ञान को बहुत महत्व दिया है, जैसा कि इसके बौद्धिक ग्रंथों के आश्चर्यजनक रूप से विशाल संग्रह, दुनिया में पांडुलिपियों का सबसे बड़ा संग्रह और विभिन्न विषयों के क्षेत्रों में ग्रंथों, विचारकों और विद्यालयों की इसकी अच्छी तरह से प्रलेखित विरासत से स्पष्ट है। भगवान कृष्ण ने भगवद् गीता, 4.33,37–38 में अर्जुन को बताया कि ज्ञान आत्म–शुद्धि और मुक्ति का सबसे बड़ा साधन है। भारत में ज्ञान का एक लंबा इतिहास है जो गंगा नदी की तरह अखंड रूप से जारी है।

महाकुंभ को लेकर सभी कार्य नवंबर अंत तक पूरे कर लिए जाएं: पीडीए उपाध्यक्ष

प्रयागराज। आगामी महाकुंभ 2025 को लेकर संगम नगरी प्रयागराज को दिव्य भव्य और नव्य बनाने के लिए शहर के सड़कों का चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण के साथ ही फुटपाथों, डिवाइडर व चौराहों के सौंदर्याकरण का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप कुंभ को लेकर प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा 30 से ज्यादा सड़कों का चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण और उसे खूबसूरत तरीके से सजाया और संवारा जा रहा है। कुंभ के कार्यों को लेकर स्थलीय निरीक्षण व समीक्षा के लिए पीडीए के उपाध्यक्ष डॉक्टर अमित पाल शर्मा, सचिव अजीत कुमार सिंह, मुख्य अभियंता सहित तमाम सहायक व अवर अभियंता दिन रात सड़कों की मॉनिटरिंग में जुटे हैं। रोज देर रात तक पीडीए के आला अधिकारी कुंभ से जुड़े सभी प्रोजेक्टों की गहनता से निरीक्षण कर दिशा निर्देश देते हैं ताकि तय समय से प्रोजेक्ट पूरे हो जाएं। रोज प्राधिकरण के उपाध्यक्ष सहित तीनों आला अधिकारी एक एक प्रोजेक्ट का स्थलीय निरीक्षण कर उसकी समीक्षा करते हैं साथ ही अगले दिन के काम का टारगेट निर्धारित किया जाता है और पुनः अगले निरीक्षण में समीक्षा की जाती है ताकि सभी प्रोजेक्ट तय समय से पूरा हो सके। स्थलीय निरीक्षण का यह कार्य देर रात तक चलता रहता है। पीडीए कुंभ से जुड़े सभी कार्य तय समय से खत्म करने को लेकर कटिबंध है। उपाध्यक्षध्सचिव ने सख्त निर्देश देते हुए सभी ठेकेदारों को कहा कि शासन

की मंशा के अनुरूप काम को लेकर अलर्ट हो जाएं । सड़कों पर डामर (डीजीबीएम ध बीसी) के सभी मेजर वर्क 25 नवंबर तक पूरे हो जाए, क्योंकि प्रत्येक दिन कुंभ से जुड़े हुए कार्यों की समीक्षा प्राधिकरण के आला अधिकारी कर रहे हैं। वहीं उपाध्यक्ष ध सचिव ने सड़कों के चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण, हॉर्टिकल्चर और चौराहा के सौंदर्याकरण से जुड़े सभी कार्य 30 नवंबर तक पूरा करने का निर्देश दिया है। सभी ठेकेदार, मैन पॉवर मशीनरी, संसाधन को बढ़ाते हुए काम को हर हालत में पूरा करें। तीन–चार सुपर क्रिटिकल वर्क है जिसके ठेकेदारों को सख्त लहजे में चेतावनी दी गई है कि सभी ज्यादे से ज्यादे मजदूर मशीनरी सहित सभी जरूरी संसाधनों को बढ़ाते हुए युद्ध स्तर पर काम करें ताकि हर हालत में नवंबर अंत तक सभी बचे हुए कार्य पूरे हो जाने चाहिए।

सड़क हादसे में सीआरपीएफ के जवान की मौत, चौफटका के पास अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

प्रयागराज। धूमनगंज कोतवाली क्षेत्र के चौफटका के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से सीआरपीएफ के जवान की मौत हो गई। वह जीटीबी नगर

करेली में परिवार के साथ रहते थे। पुलिस वाहन की तलाश में जुट गई है। एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के असरावल किला गांव के रहने वाले खुशनुद हसन (35) सीआरपीएफ कैंप फाफामऊ में बतौर सिगनल आपरेटर के पद पर तैनात थे। वह बुधवार को सुबह ड्यूटी के बाद घर लौट रहे थे। इसी दौरान चौफटका के पास उनकी बाइक में किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इससे वह डिवाइडर से जाकर टकरा गए। राहगीर जब तक समझ पाते उनकी मौत हो गई। घटना के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया।

दो करोड़ ठगी का मामला : साइबर ठगों ने 330 खातों में ट्रांसफर करा दी रकम, पुलिस के हाथ लगे महज 12 लाख रुपये

प्रयागराज। कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी के बेटे के अकाउंटेंट से 2.08 करोड़ रुपये की ठगी के मामले में नया खुलासा हुआ है। पता चला कि ठगों ने छह दिन के भीतर ही 330 बैंक खातों में ठगी की रकम को ट्रांसफर किया है। पुलिस जब तक एक खाते को फ्रीज करवाने की प्रक्रिया पूरी करती है तब तक दस बैंक खातों तक पैसा ट्रांसफर हो रहा है। बमुश्किल, केवल 12 लाख रुपये ही होल्ड कराकर सुरक्षित कराया जा सका है। ठगी के मुख्य तीन आईसीआईसीआई (बरेली), यूकों बैंक (सिलीगुड़ी) और एक्सिस बैंक (कोलकाता) के खातों का पुलिस ने सत्यापन किया है। इन खातों को लेकर पुलिस के पास सभी डिटेल हैं। बैंक स्टेटमेंट से पता चला कि ठगी के बाद इन खातों से तकरीबन 60 बैंक

खाता में पैसा गया। पुलिस एक–एक कर सभी बैंक खातों को फ्रीज कराने की प्रक्रिया शुरू की तो शातिर ठगों ने इन पैसों को आगे ट्रांसफर करना शुरू कर दिया। नतीजतन अबतक करीब 330 खातों में पैसा जमा करवाया जा चुका है। इनमें गुजरात, बिहार, राजस्थान, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, दिल्ली, आदि समेत एक दर्जन से अधिक राज्यों के बैंक शामिल हैं। इनमें एक खाता बिहार के चंपारण का भी है, जिसमें ठगी की सबसे अधिक रकम करीब 68 लाख रुपये ट्रांसफर की गई है। 330 में आठ से दस खाते ही ऐसे हैं, जिनमें चेक के माध्यम से पैसा निकाला गया है। यह सभी करेंट खाते हैं। ये अलग–अलग कंपनी के नाम पर खोला गया है। ऐसे में पुलिस को उम्मीद है कि इन पैसों को रिकवर कराया जा सकता है। इसके अलावा चेक के माध्यम से लगभग 75 लाख रुपये निकालने की बात सामने आई है। तीनों खातों में करोड़ों का ट्रांजक्शन ठगों के मुख्य तीनों बैंक खाते दो से छह माह पुराने हैं। इन खातों की स्टेटमेंट से पता चला है कि इनमें करोड़ों रुपये का ट्रांजक्शन हो चुका है। एक खाते में तो 30 करोड़ रुपये से अधिक का ट्रांजक्शन हुआ है। हालांकि, पुलिस ने इन खातों के कुछ पैसों को होल्ड करा दिया है। जबकि अन्य पैसों को वापस कराने के लिए पुलिस कड़ी मशक्कत कर रही है।

आइए, डॉक्टर से जांच लिखाइए... अल्ट्रासाउंड के लिए दस दिन बाद का नंबर पाइए

प्रयागराज। स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल (एसआरएन) में एमआरआई के बाद अल्ट्रासाउंड की जांच के लिए भी ओपीडी मरीजों को 10–10 दिनों का लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। मरीज अस्पताल आते हैं। डॉक्टर अल्ट्रासाउंड की जांच लिखते हैं। लेकिन, मरीज जब जांच कराने पहुंचते हैं तो उन्हें 10 दिन बाद का नंबर दिया जाता है। बताया जा रहा कि प्रतीक्षा लंबी होने की वजह यह परेशानी हो रही है। जबकि अस्पताल में भर्ती मरीजों को जांच कराने में तीन दिन का समय लग रहा है। एसआरएन अस्पताल में जिले के अलावा कौशाम्बी, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र समेत आसपास के जिलों के मरीज इलाज को आते हैं। यहां पर रोजाना 2000 से अधिक मरीजों की ओपीडी होती है। इनमें लगभग 100 से ज्यादा मरीजों को प्रतिदिन अल्ट्रासाउंड की जांच लिखी जाती है। वहीं, पुरानी बिल्डिंग व ट्रामा में अल्ट्रासाउंड की जांच की जाती है। रोजाना सुबह से शाम तक 70 से 80 मरीजों की जांच होती है। और लगभग 20 से 25 मरीजों को प्रतीक्षा सूची में डाल दिया जाता है।

उत्तर रेलवे के जीएम ने जंघई जंक्शन का किया औचक निरीक्षण, उखड़ी टाइल्स और गंदगी देखकर जताई नराजगी

प्रयागराज। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा ने जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन का बुधवार को औचक निरीक्षण किया वह विशेष सैलून से वाराणसी जा रहे थे। उनका जंघई में रुकने का कोई कार्यक्रम नहीं था। दिन में 11 बजे उनका विशेष सैलून जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन पर पहुंचा तो वह स्टेशन पर उतर गए। उनके साथ डीआरएम उत्तर रेलवे लखनऊ एसएम शर्मा भी थे। जीएम ने जंघई स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर दो और तीन पर हो रहे विस्तारीकरण का कार्य देखा ओवर ब्रिज पावर केबिन आरपीएफ बैरक वेटिंग हाल महिला पुरुष का निरीक्षण किया। सर्कुलेटिंग एरिया व प्लेटफार्म पर गंदगी देखने पर नाराजगी जताई। प्लेटफार्म नंबर एक पर उखड़ी टाइल्स देख नाराजगी जताई, बोले यह क्यों उखड़ा है। उन्हें बताया गया कि अभी काम चल रहा है। उन्होंने उखड़ी टाइल्स को ठीक कराने के लिए कहा। पावर केबिन के बगल सुलभ शौचालय बनाने का निर्देश दिया। महिला पुरुष वेटिंग चालू करने का निर्देश दिया। पुराने आरक्षण काउंटर को नया और बड़ा करने के लिए निर्देशित किया। प्लेटफार्म नंबर एक पर बिछ रही रेल पटरी का काम तेज और सर्कुलेटिंग एरिया मे लगी हाई मास्क को चालू करने के लिए कहा। लगभग एक घंटा स्टेशन पर रुके और 12 बजे उनका सैलून वाराणसी के लिए रवाना हो गया। इस मौके पर प्रभारी स्टेशन अधीक्षक मुरारी कुमार, डिप्टी एसएस मुकेश कुमार, आरपीएफ प्रभारी दीपक कुमार, विद्युत इंचार्ज दिनेश कुमार पांडेय।

उत्तर मध्य रेलवे
सार्वजनिक सूचना
(अन्तर्गत धारा 20एफ (4) रेलवे अधिनियम-1989 यथासंशोधित-2008)
दिनांक 16.11.2024
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि केन्द्रीय सरकार ने रेलवे अधिनियम 2008 (2008 का11वाँ) की धारा 20क की उपधारा (1) के अधीन जारी भारत के राजपत्र असाधारण, भाग-II खण्ड-3 उप-खण्ड (ii) प्राधिकार से प्रकाशित अधिसूचना संख्या 3269 (अ) दिनांक 22 अगस्त 2024 में भारत सरकार के रेल मंत्रालय उत्तर मध्य रेलवे (गतिशक्ति यूनिट) की अधिसूचना सं0 का.आ. 3585 (अ) दिनांक 21 अगस्त, 2024 द्वारा उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि को उत्तर प्रदेश राज्य प्रयागराज जिले में विशेष रेल परियोजना अर्थात प्रयागराज-कानपुर सेन्ट्रल लेवल क्रॉसिंग सं0-04 के स्थान पर किलोमीटर 838/7-9 पर बमरौली-मनौरी स्टेशन के मध्य 02 लेन आर.ओ.बी. के निर्माण परियोजना के निष्पादन, अनुरक्षण, प्रबंधन और प्रचालन के प्रयोजन के लिए अपेक्षित है, ऐसी भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी और उक्त अधिसूचना का सार उक्त अधिनियम की धारा 20क की उपधारा (4) के अधीन-"दैनिक समाचार पत्रों अर्थात में दिनांक 28 अगस्त, 2024 को प्रकाशित किया गया था और छः आक्षेप प्राप्त हुए थे, सक्षम प्राधिकारी द्वार उस पर विचार किया गया तद्नुसार आदेश पारित कर दिए गए हैं, और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 20ड की उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है। केन्द्रीय सरकार, सक्षम प्राधिकारी से उक्त रिपोर्ट के प्राप्त होने पर और उक्त अधिनियम की धारा 20ड की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए अर्जित की जाएगी और यह की केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 20ड की उपधारा (1) में यह घोषणा करती है कि राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने पर इससे उपाबद्ध अनुसूची में अतएव विनिर्दिष्ट भूमि सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर केन्द्रीय सरकार में आत्यंतिक रूप से निहित हो जाएगी। उक्त अधिनियम की धारा 20च (4) में प्रतिकर धनराशि का अवधारित करने से पूर्व इस आशय की सार्वजनिक नोटिस दी जाती है कि अर्जित की जानी भूमि में हितबद्ध सभी व्यक्तियों से इस आशय का दावा आमंत्रित किया जाता है कि अधिग्रहित भूमि में अपने से संबंधित हित को प्रकृति तथा ऐसे हितों के संबंध में दावे की धनराशि यदि कोई हो तो पुर्नवासन और पुर्नव्यवस्थापन के भी दावे को साथ संलग्न करते हुए कार्यालय विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी (सं0सं0) कलेक्ट्रेट परिसर प्रयागराज में अपना-अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन से एक सप्ताह के अन्दर प्रदान किया जाता हैं।
(रमेश मौर्य)
सक्षमप्राधिकारी/विशेषभूमि अध्याप्ति अधिकारी (सं0सं0)
2000/24 FA नया भवन, गांधीपार्क के समीप, कलेक्ट्रेट परिसर, प्रयागराज
North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे
ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 24/77 दिनांक 19.11.2024
ई-प्रापण निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ.म.रे., प्रयागराज (आई.एस.ओ.9001: 2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं:

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	38243233	स्प्रिंग प्लैंक फॉर कैसनव 22 एक्सल बोगी	624 नग	09.12.2024
2	80241046	ग्रेफाइटेड ग्रीस ग्रेड "0" टू आई एस स्पेसिफिकेशन नः 408-1981	243856 किलोग्राम	03.12.2024
3	50241372	लेड एसिड सेकेंडरी सेल 120 एएच	1341 नग	12.12.2024
4	50241523ए	सप्लाई ऑफ 6 कोर केबल	118 किमी	16.12.2024
5	64245316	रेडियेटर	01 नग	16.12.2024
6	6324RC18	रेट कान्ट्रैक्ट फॉर मैन्युफैक्चर एण्ड सप्लाई ऑफ वेरीआस टाइप्स ऑफ थिक वेब स्विचेस विद डिफरेन्ट ड्यू. नं. T-8780 & T-9775	1731 सेट	30.12.2024
7	63245500	एम.एस. वर्लैम्प्स फॉर जोगल्ड फिश प्लेट्स विद फिटिंग, 60 कि.ग्रा., ड्यू. नं. T-5852 & 5852/1	21032 सेट	24.12.2024

नोटः उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 2005/24 (MG)
North central railways @ CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062